शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 82 | गुवाहाटी | सोमवार, 21 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

संघ समाज में परिवर्तन लाने को कर रहा निरंतर कार्य : दिलीप बिस्पुते पेज 2
असम उपचुनाव : भाजपा ने तीन उम्मीदवारों की घोषणा की, सभी 5 सीटों ... पेज 3
हरियाणा को नंबर वन राज्य बनाने का सरकार करेगी प्रयास : राजेश नागर पेज 5
न्यूजीलैंड ने भारत में 36 साल बाद जीता टेस्ट मैच, बेंगलुरु टेस्ट में भारतीय पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

समय का ध्यान नहीं रखने वाला व्यक्ति अपने जीवन में निर्विघ्न नहीं रहता।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

इंडोनेशिया : शपथ ग्रहण समारोह में भारत समेत 40 देशों के नेताओं ने की शिरकत

गुवाहाटी/नई दिल्ली (हि.स.)। इंडोनेशिया के पूर्व रक्षा मंत्री प्रबोवो सुबियांतो ने देश के 8वें राष्ट्रपति के रूप में रविवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। 73 वर्षीय सुबियांतो ने देश के सांसदों और अन्य देशों से आमंत्रित किए गए गण्यमान्य के समक्ष *कुरान* पर हाथ रखकर राष्ट्रपति पद की शपथ ली। इंडोनेशिया -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में अब न्यायिक परिषद ही न्यायाधीशों को हटा सकेगी

ढाका। बांग्लादेश में अब सर्वोच्च न्यायिक परिषद ही न्यायाधीशों को हटाने और उन पर न्यायिक कदाचार के आरोपों की जांच करेगी। बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने शेख हसीना सरकार के दौरान किए गए 16वें संविधान संशोधन को रद्द कर दिया है। इसके तहत न्यायाधीशों को हटाने का अधिकार संसद को दे दिया गया था। इसे सुप्रीम कोर्ट ने गैरकानूनी करार दिया। सुप्रीम कोर्ट के वकील -शेष पृष्ठ दो पर

गोलाघाट में फूड पॉइजनिंग से 200 लोग बीमार

अस्पताल में किया गया भर्ती

गोलाघाट। असम के गोलाघाट जिले में एक मृतक के श्रद्धांजलि समारोह के दौरान नाश्ता खाने के बाद करीब 200 लोग भोजन विषाक्तता के कारण बीमार पड़ गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार रात को सरूपथार क्षेत्र के उरियामघाट के पासघोरिया गांव में प्रदीप गोगोई की मां की स्मृति समारोह में आयोजित एक सभा के दौरान हुई। एक अधिकारी के अनुसार, समारोह के दौरान मेहमानों को पारंपरिक *जलपान* (मुरमुरे चावल और क्रीम के साथ नाश्ता) परोसा गया। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद लोगों ने पेट दर्द, सिर दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत की। कुल 53 लोगों को तुरंत सरुपथार कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और उरियमघाट के सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि इनमें से दो को उन्नत उपचार के लिए जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया है। अधिकारी ने बताया कि पीड़ितों की हालत स्थिर बताई गई है और कई को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि शेष लगभग 150 लोग, जिनमें मामूली लक्षण दिखे हैं, अपने-अपने घरों पर हैं तथा उनकी स्वास्थ्य -शेष पृष्ठ दो पर

असम समझौता : एससी के फैसले पर सीएम ने दी प्रतिक्रिया, कहा –

ऐतिहासिक नहीं, मेरी मिश्रित प्रतिक्रिया है

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने असम समझौते में निर्धारित कट-ऑफ तिथि पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर *खुशी और दुख* का मिश्रण व्यक्त किया। बसुंधरा 3.0 कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं को संबोधित करते हुए शर्मा ने असमिया लोगों के सामने मौजूद चुनौतियों को स्वीकार किया और भविष्य के संघर्षों से निपटने में दृढ़ता की आवश्यकता पर बल दिया। न्यायालय के निर्णय के महत्व पर विचार करते हुए शर्मा ने कहा कि मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता कि इस निर्णय को ऐतिहासिक माना जाना चाहिए या नहीं। सरकार ने असम समझौते के प्रावधानों का पालन किया है, तथा न्यायालय में उसका रुख यह रहा है कि कट-ऑफ तिथि 1971 ही रहनी चाहिए। हालांकि, असम के भीतर एक महत्वपूर्ण वर्ग ऐसा भी है जो यह उम्मीद करता है कि 1951 को उपयुक्त मानक माना जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय से राज्य भर में विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं, क्योंकि असम समझौते के तहत नागरिकता निर्धारित करने के लिए कट-ऑफ वर्ष पर अलग-अलग राय लंबे समय से विवाद का विषय रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने 17 अक्तूबर को नागरिकता अधिनियम की -शेष पृष्ठ दो पर

पकड़ा गया बांग्लादेशी को भेजा गया वापस : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि एक बांग्लादेशी नागरिक को करीमगंज जिले में अवैध रूप से भारत की सीमा में प्रवेश करते समय पकड़ लिया और उसे पड़ोसी देश वापस भेज दिया गया। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर पोस्ट कर कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए मोहिबुल्ला को अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकट गिरफ्तार किया गया और करीमगंज में सीमा पार भेज दिया गया। असम के करीमगंज, -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने मिशन बसुंधरा का किया शुभारंभ

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की भूमि सुधार योजनाओं में से एक मिशन बसुंधरा 3.0 का रविवार को राज्य में शुभारंभ किया गया। योजना के तीसरे संस्करण का शुभारंभ रविवार को श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में किया गया। इस योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज हमारे लिए खुशी और यादगार दिन है। 10 अक्तूबर, 2021 को हमने भूमि सुधार प्रणाली का शुभारंभ किया। हमने 10 मई, 2022 को पहला संस्करण पूरा किया। उन्होंने कहा कि मिशन बसुंधरा के दूसरे चरण की शुरुआत में, हमने -शेष पृष्ठ दो पर

श्री पद्मनाभ स्वामी मंदिर में चोरी, एक विदेशी समेत तीन हरियाणा से गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। श्री पद्मनाभ स्वामी मंदिर में चोरी के मामले में एक विदेशी समेत लोगों को गिरफ्तार किया गया है। तीनों आरोपियों को हरियाणा से गिरफ्तार किया गया है। घटना का मुख्य आरोपी ऑस्ट्रेलिया नागरिक का है। उसने दो महिला आरोपी के साथ मिलकर चोरी की इस घटना को अंजाम दिया। पिछले गुरुवार में पद्मनाभ मंदिर में चोरी हुई थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच के बाद आरोपियों को पकड़ लिया गया। हरियाणा में गुड़गांव पुलिस की मदद से केरल पुलिस द्वारा की गई तलाशी के दौरान इस गिरोह को एक फाइव स्टार होटल से अरेस्ट किया गया। जानकारी के मुताबिक, मुख्य संदिग्ध एक -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने पुरी में दूसरे भारतीय लाइटहाउस महोत्सव का उद्घाटन किया

पुरी (उड़ीसा)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने देश के पर्यटन और समुद्री क्षेत्रों को एक नई गति देते हुए पुरी, उड़ीसा में दूसरे भारतीय लाइटहाउस महोत्सव का उद्घाटन किया। दो दिवसीय लाइटहाउस उत्सव के दूसरे संस्करण ने देश भर से पर्यटकों को आकर्षित किया। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने लाइटहाउस फेस्टिवल में गुजरात के कच्छ खाड़ी में पैराडाइज पोर्ट अथॉरिटी और कलवान रीफ लाइटहाउस की विभिन्न परियोजनाओं को भी राष्ट्र को समर्पित किया। समारोह में उड़ीसा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी शामिल हुए। सोनोवाल ने घोषणा की कि भारत सरकार का बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय प्रकाशस्तंभों के आसपास के तटीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा ताकि उन्हें प्रकाशस्तंभों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन के लिए एक साथ जिम्मेदार बनाया जा सके। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने उड़ीसा के तट पर दो नए लाइटहाउस स्थापित करने की घोषणा की जो एक नारायणपुर के चौमुक में और दूसरा भद्रक जिले के धामरा में स्थापित किया जाएगा। सोनोवाल ने कहा कि हम भारत की समुद्री विरासत का जश्न मनाकर अपने देश की -शेष पृष्ठ दो पर

विवाहित प्रेमी ने नाबालिग गर्लफ्रेंड को जिंदा जलाया

बडवेल। आंध्र प्रदेश के बडवेल में 16 वर्षीय एक लड़की को कथित तौर पर एक व्यक्ति ने जलाकर मार डाला। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि औरापी व्यक्ति ने कुछ ही महीने पहले नाबालिग से रिश्ता तोड़ लिया था और अन्य महिला से शादी कर ली थी। उसने बताया कि आरोपी जे. विग्नेश ने कथित तौर पर कडप्पा जिले के बडवेल के बाहरी इलाके में नाबालिग पर पेट्रोल डालकर को उसे आग के -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र : भाजपा ने घोषित की 99 उम्मीदवारों की पहली सूची

मुंबई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 99 उम्मीदवारों की पहली सूची घोषित किया है। इस सूची में भाजपा ने सिर्फ 5 नए उम्मीदवारों को स्थान दिया है और 94 विधायकों पर विश्वास जताते हुए उन्हें उम्मीदवार बनाया है। इसी तरह इस सूची में 13 महिला उम्मीदवारों को स्थान दिया गया है। महाराष्ट्र के इच्छुक उम्मीदवारों की सूची प्रदेश भाजपा के केंद्रीय भाजपा पार्लियामेंटरी बोर्ड के पास भेजा था। जिसे भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने मंजूरी दी और उसे भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने आज घोषित किया है। राज्य की 288 विधानसभा सीटों पर एक चरण में 20 नवंबर को मतदान होना है। चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। भाजपा की ओर से जारी सूची में नागपुर दक्षिण-पश्चिम से उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कामठी से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्र शेखर बावन कुले, कोलाबा से विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, मालाबार हिल से मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा को -शेष पृष्ठ दो पर

रोहिणी : सीआरपीएफ स्कूल के पास जोरदार धमाका, लोगों में दहशत

नई दिल्ली। रविवार सुबह हुए एक जोरदार धमाके ने रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके का माहौल बिगाड़ दिया है। जानकारी के लिए बता दें कि प्रशांत विहार इलाके में स्थित सी.आर.पी.एफ स्कूल के पास आज सुबह एक जोरदार धमाका हुआ। ये धमाका इतना जोरदार था कि स्कूल की दीवार टूट गई, पास की दुकानों और एक कार को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, इसकी वजह से कोई हताहत नहीं हुआ है। दिल्ली पुलिस इस धमाके की जांच में जूट गई है। इसके अलावा एनएसजी कमांडो भी -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान : तेज रफ्तार बस ने टेम्पो में मारी टक्कर, 8 बच्चों सहित 12 की मौत

प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री जताया गहरा दुख

धौलपुर (हिंस)। पूर्वी राजस्थान के धौलपुर जिले के बाड़ी सदर थाना इलाके में एनएच 11 बी पर सुनीपुर गांव के नजदीक शनिवार रात करीब 11 बजे स्लीपर कोच बस ने टेंपो को टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में नौ बच्चों सहित 12 लोगों की मौत हो गई जबकि तीन घायलों की नाजुक हालत होने पर जिला चिकित्सालय धौलपुर के लिए रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलने पर जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी तथा पुलिस अधीधक सुमित मेहरडा बाडी पंहुचे तथा परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। रविवार दोपहर पुलिस ने सभी मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर उनके परिजनों को सौंप दिया। हादसे के बाद में -शेष पृष्ठ दो पर

नेपाल की धरती पर चीन विरोधी गतिविधियां नहीं होने देंगे : पीएम

काठमांडु। नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने रविवार को कहा कि देश में चीन विरोधी गतिविधियां नहीं होने दी जाएंगी और यह *एक चीन* नीति का समर्थन करता है। ओली ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के सदस्य चेन जिनिंग के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में यह टिप्पणी की। यह बैठक काठमांडू के बालूवातार में उनके आधिकारिक आवास पर हुई। एक चीन नीति के प्रति नेपाल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए ओली ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि नेपाल की सीमा में कोई भी चीन विरोधी गतिविधि नहीं होने दी जाएगी। चीन का दावा है कि अलग हुआ देश ताइवान उसका हिस्सा है और चीन के साथ राजनयिक संबंध रखने वाले सभी देशों के लिए एक चीन -शेष पृष्ठ दो पर

हम जो कहते हैं डंके की चोट पर करके दिखाते भी हैं : पीएम मोदी

वाराणसी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली से पूर्व रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र काशी से पूरे देश को 6,611.18 करोड़ की कुल 23 परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी। इन परियोजनाओं में 3,200 करोड़ रुपए से अधिक की 16 विकास परियोजनाएं वाराणसी के लिये हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, धर्म, पर्यटन से रोजगार, आवास और विमानन जैसी कई सुविधाओं का लोकार्पण किया। सिगरा स्थित खेल स्टेडियम में प्रधानमंत्री ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में रीवा एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन, मां महामाया एयरपोर्ट, अंबिकापुर के नए टर्मिनल भवन, सरसावा एयरपोर्ट में ए सिविल एन्क्लेव का लोकार्पण और बागडोगरा एयरपोर्ट में नए सिविल एन्क्लेव, दरभंगा एयरपोर्ट में नए सिविल एन्क्लेव,आगरा एयरपोर्ट में नए सिविल एन्क्लेव के लिए वर्चुअल आधारशिला रखी। साथ ही उन्होंने वाराणसी एयरपोर्ट के विस्तारीकरण और नए टर्मिनल भवन और कस्तूरबा गांधी विद्यालय आराजीलाइन में एकेडमिक ब्लॉक व -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइल के हमले से बेरूत-गाजा पर 73 की मौत, पीएम बोले-

हिजबुल्लाह ने बड़ी भूल की...अब खात्मा निश्चित

तेल अबीब। इजराइल ने शनिवार को पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के घर पर हुए ड्रोन अटैक के बाद लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सेना लेबनान में अब तक सबसे बड़ा ऑपरेशन चला रही है। हिजबुल्लाह ने भी इजराइल के उत्तरी इलाकों पर कई रॉकेट हमले किए हैं। नेतन्याहू ने घर पर हुए हमले के बाद इसे हिजबुल्लाह की भारी गलती करार दिया। नेतन्याहू ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

संघ समाज में परिवर्तन लाने को कर रहा निरंतर कार्य : दिलीप बिस्पुते

मथुरा (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह बौद्धिक प्रमुख दिलीप बिस्पुते ने रविवार को दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र गऊ ग्राम परखम फरह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मथुरा विभाग के शाखा टोली एकत्रीकरण कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संघ समाज में परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि समाज में लोगों को पांच परिवर्तन अर्थात पांच विषयों को ध्यान में रखना चाहिए। स्वदेशी को हम सभी को अपने जीवन में उतारना है। नागरिक कर्तव्य अर्थात् नियमों एवं कानून के अंतर्गत व्यवहार करने से ही राष्ट्र समृद्ध व उन्नत होगा। सामाजिक समरसता अर्थात आपस में जातिगत ऊंच नीच भेदभाव समाप्त करना होगा। समाज के सभी वर्गों का आपस में मिलना–बैठना, एक दूसरे के सुख–दु:ख में हिस्सा लेना अपने स्वभाव में लाना होगा। पर्यावरण की चिंता करनी होगी, ग्लोबल वार्मिंग और वातावरण का बदलता परिदृश्य चिंता का विषय है। दिलीप बिस्पुते ने आगे कहा कि हमें केवल चिंता ही नहीं करनी, अपितु पर्यावरण की रक्षा के लिए भी प्रयास करने हैं। तभी सृष्टि का संरक्षण होगा। कुटुम्ब प्रबोधन पर भी ध्यान देना होगा। परिवार में बच्चे संस्कारित हो रहे हैं, ऐसी चिंता करनी होगी। संस्कार बचेंगे तभी परिवार बचेंगे। इन्हीं पांच विषयों को चिंता करते हुए अपने व्यवहार व स्वभाव में लाना होगा। नागरिक अनुशासन को लेकर अनुबोधन देते हुए स्वयंसेवकों को सरकारी नियमों का अक्षरश: पालन करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता की लड़ाई तीन विचारों को लेकर लड़ी गई थी। स्वराज, स्वधर्म और स्वदेशी एवं जीवन में स्वदेशी वस्तुओं का अनुग्रहण करना चाहिए। जो वस्तु घर पर बनाई जा सकती है उसे बाहर से खरीदने की बजाय घर पर ही उसका निर्माण करें। उन्होंने कहा कि स्वदेशी का क्रियान्वयन स्वयंसेवक के निजी जीवन में करना आवश्यक है, क्योंकि समाज हमें देखकर सीख रहा है। इससे पूर्व शाखा टोली एकत्रीकरण कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मथुरा विभाग शाखा टोलियां के लगभग तीन हजार स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया। सभी स्वयंसेवकों ने घोष की धुन पर व्यायाम, योग और तिष्ठ योग का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग संघचालक डॉ. वीरेंद्र मिश्रा ने की। कार्यक्रम के मुख्य शिक्षक अरुण दीक्षित जिला कार्यवाह वृंदावन रहे। कार्यक्रम में डॉ. हरीश सह क्षेत्र सम्पर्क प्रमुख, प्रांत कार्यवाह राजकुमार, प्रांत प्रचारक धर्मेंद्र, सह प्रांत प्रचार प्रमुख कीर्ति कुमार, महावीर, छैल बिहारी, डॉ. संजय अग्रवाल, विभाग प्रचारक अरूण पांचजन्य, अरुण दीक्षित तथा अन्य क्षेत्र विभाग के कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

गुवाहाटी में बरामद वृद्धा का कंकाल

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के ज्योतिकुची इलाके में एक वृद्धा का कंकाल आज बरामद किया गया। बताया जाता है कि महिला की मौत तीन महीने पहले हुई थी। मृतक की पहचान पूर्णिमा डे के रूप में हुई है। वृद्धा अपने 40 वर्षीय बेटे के साथ रहती थी। सूत्रों का कहना है कि मृतक का बेटा मानसिक रूप से विक्षिप्त है।

लापता युवक का शव बरामद

कामरूप (हिंस)। कमरूप (ग्रामीण) जिले के सोनतली इलाके में लापता युवक का शव बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि शनिवार की शाम से सोनतली पुरानगांव के शाहजहां अली अहमद के 23 वर्षीय पुत्र शफीउर रहमान लापता था। लापता युवक का मोबाइल भी स्विच ऑफ होने की वजह से परिवार वाले उसे ढूंढ़ने में जुट गए। शनिवार देर रात को जोरसिमुली पुलिस चौकी अंतर्गत महाबीर पथार के उमी नगरबेरा इलाके में तटबंध के किनारे गंभीर अवस्था में एक युवक देखे जाने की जानकारी मिलते ही शफीउर रहमान के परिजन मौके पर पहुंचे।

पूसीरे चलाएगा दो अतिरिक्त त्योहारी स्पेशल ट्रेन

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए आगामी त्योहारी सीजन के दौरान दो अतिरिक्त जोड़ी त्योहारी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया गया है। ये त्योहारी स्पेशल ट्रेन आनंद विहार टर्मिनल–जोगबनी–आनंद विहार टर्मिनल के बीच तीन–तीन फेरों और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस–अगरतला–छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के बीच दो–दो फेरों के लिए दोनों दिशाओं में चलेंगी। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि स्पेशल ट्रेन संख्या 04010 (आनंद विहार टर्मिनल–जोगबनी) 29 अक्तूबर से 12 नवंबर तक प्रत्येक मंगलवार को आनंद विहार टर्मिनल से 23:45 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन जोगबनी 05:20 बजे पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 04009 (जोगबनी– आनंद विहार टर्मिनल) स्पेशल 31 अक्तूबर से 14 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को जोगबनी से 09:00 बजे रवाना होगी और अगले दिन आनंद विहार टर्मिनल 16:05 बजे पहुंचेगी। अपनी दोनों ओर की यात्रा के दौरान यह ट्रेन गाजियाबाद, बरेली कैंट, गोंडा जंक्शन, गोरखपुर जंक्शन, सीवान जंक्शन, हाजीपुर जंक्शन, बरौनी जंक्शन, बेगूसराय, खगड़िया जंक्शन, कटिहार जंक्शन, अररिया कोर्ट और फारबिसगंज आदि होकर चलेगी।

गुरुग्राम : सुहागिनों ने पति की दीर्घायु के लिए रखा करवाचौथ का व्रत

गुरुग्राम (हिंस)। पति की दीर्घायु के लिए सुहागिनों महिलाओं ने रविवार को करवाचौथ का व्रत रखा। रंग–बिरंगे परिधानों में सज–धजकर महिलाओं ने भगवान शिव–पार्वती, कार्तिकेय, गणेश का पूजन किया। कहानी सुनी। रात को चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत खोला। आधुनिकता के इस दौर और बदलते परिवेश में करवाचौथ का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। अब युवतियां भी सुयोग्य वर पाने के लिए करवाचौथ का व्रत रखती हैं। युवतियों ने भी करवाचौथ का व्रत रखकर सुयोग्य पाने की कामना की। परिवार की बुजुर्ग महिलाओं ने विवाहित महिलाओं को करवाचौथ की कथा सुनाई और उन्हें सौभाग्यवती रहने का आशीर्वाद भी दिया। चंद्रमा को अर्ध्य देकर सुहागिनों ने अपना व्रत खोलकर बड़े–बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया। करवाचौथ की तैयारियों में कई दिनों से बाजार सजे थे। महिलाएं खरीदारी कर रही थी। मेहंदी व अन्य सजावट के सामान की खूब बिक्री हुई। बाजारों में करवाचौथ के दिन भी खूब भीड़ रही। करवाचौथ पर्व पर मेहंदी लगाने वालों ने भी खूब चांदी कूटी। 1000 रुपए से लेकर 8 हजार रुपए तक यहां बाजारों में मेहंदी लगाई गई। डिजायन के हिसाब से भी मेहंदी लगाने वालों ने पैसे लिए। खास बात यह रही कि मेहंदी लगाने के लिए एडवांस बुकिंग महिलाओं को करानी पड़ी।

पृष्ठ एक का शेष

गोलाघाट में फूड ...

स्थिति पर नजर रखी जा रही है। सरूपथार के भाजपा विधायक विश्वजीत फुकन ने अस्पताल का दौरा किया और लोगों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने मुझे बताया कि खाद्य निरीक्षक गांव का दौरा करेंगे और खाद्य विषाक्तता के कारणों की जांच करेंगे। फुकन ने बताया कि गांव में एक मेडिकल कैंप लगाया गया है और ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमने समारोह में आए सभी लोगों के घरों में मेडिकल टीम भी भेजी है। टीम स्वास्थ्य स्थितियों पर बारीकी से नजर रख रही है। किसी भी व्यक्ति में कोई गंभीर लक्षण नहीं दिख रहे हैं।

ऐतिहासिक नहीं, मेरी ...

धारा 6ए की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा, जो 1 जनवरी, 1966 और 25 मार्च, 1971 के बीच असम में आए प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करती है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि असम समझौता अवैध प्रवास की समस्या का राजनीतिक समाधान है। असम समझौते के तहत आने वाले लोगों की नागरिकता से निपटने के लिए नागरिकता अधिनियम में धारा 6ए को एक विशेष प्रावधान के रूप में शामिल किया गया था। मुख्य न्यायाधीश ने स्वयं लिखते हुए इसकी वैधता को बरकरार रखा और कहा कि असम में प्रवासियों के आने की दर अन्य राज्यों की तुलना में अधिक है, क्योंकि यहां भूमि का आकार छोटा है और विदेशियों की पहचान एक जटिल प्रक्रिया है।

पकड़ा गया बांग्लादेशी ...

कछार, धुबड़ी और दक्षिण सालमारा–मनकाचर जिले बांग्लादेश के साथ 267.5 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। शर्मा ने कहा कि हमारी असम पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सीमा पर घुसपैठ की सभी कोशिशों को नाकाम करने के लिए चौबीसों घंटे सतर्क रहती हैं। हमारी टीम ने बहुत बढ़िया काम किया। करीमगंज के सुतारकांदी में एक एकीकृत जांच चौकी (आईसीपी) है। पूर्वोत्तर में कुल तीन आईसीपी हैं, जिनमें से दो मेघालय के दावकी और त्रिपुरा के अखौरा में स्थित हैं। असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जी.पी. सिंह ने पहले कहा था कि राज्य पुलिस और बीएसएफ कानून के अनुसार गैर–भारतीयों द्वारा बांग्लादेश से देश की सीमा में प्रवेश करने के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा था कि सभी भारतीय पासपोर्ट धारकों को संकटग्रस्त बांग्लादेश से राज्य के प्रवेश द्वार से लौटने की अनुमति होगी।

मुख्यमंत्री ने मिशन...

अपने राजस्व विभाग में प्रौद्योगिकी के प्रमुख अनुप्रयोगों को शामिल करने के बारे में सोचा। मिशन बसुंधरा 2.0 में, हमने आदिवासियों के लिए अधिकतम् सीमा को बढ़ाकर 50 बीघा कर दिया। मैंने एक सीमा तय की थी, ताकि कोई भी दलाल या बिचौलिया बिना किसी जमीन पर कब्जा किए पैसे के लिए जमीन का पट्टा न दे सके। इन सीमाओं ने स्वदेशी लोगों के भूमि अधिकारों की रक्षा की। मिशन बसुंधरा 2.0 के तहत हमने ब्रह्मपुत्र घाटी में 12 लाख बीघा जमीन आवंटित की है। उन्होंने कहा कि मिशन बसुंधरा देश की आजादी के बाद पहली बार स्वदेशी लोगों को भूमि अधिकार देने की प्रक्रिया है। विपक्षी कांग्रेस और एआईयूडीएफ ने हमारी आलोचना की, लेकिन हम आगे बढ़े और सफल हुए। आजादी के बाद हम स्वदेशी लोगों को भूमि अधिकार देने में सक्षम है। जो लोग 1951 में असम में पैदा हुए और तीन पीढ़ियों से असम में हैं, उन्हें मिशन बसुंधरा से सबसे ज्यादा फायदा होगा। किसी अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति को प्रमाण पत्र जारी करने की आवश्यकता नहीं है। मुझे एससी लोगों की तीन पीढ़ियों का कोई प्रमाण पत्र भी नहीं चाहिए। असम के चाय जनजातियों, पूर्व चाय जनजातियों और आदिवासी लोगों को भी तीन पीढ़ी का प्रमाण पत्र जारी करने की आवश्यकता नहीं है। असम में रहने वाले गोर्खाओं को भी तीन पीढ़ी के प्रमाण पत्र से छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति इस अवधि के दौरान इस जमीन को खरीदता और बेचता है, तो उसे 100 प्रतिशत में से 50 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान करना होगा। यदि शहरी क्षेत्रों में असम टाइप का घर है, तो उन्हें 30 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान करना पड़ता था, लेकिन अब उन्हें जमीन के पट्टे के लिए केवल 3 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान करना होगा। इस प्रणाली से शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विश्वास के साथ मिशन बसुंधरा 3.0 के लिए आवेदन करने में सक्षम बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि आपके पास शहरी क्षेत्रों में कोई भवन या आरसीसी घर है, तो आपको 10 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान करना होगा। यदि आप खरीदते और बेचते हैं, तो आपको 40 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान करना होगा। वहीं उन्होंने कहा कि यदि किसी को मिशन बसुंधरा 3.0 का लाभ मिलता है, तो उन्हें गांवों में 50 रुपए और शहरी क्षेत्रों में 100 रुपए का भुगतान करना होगा।

श्री पद्मनाभ स्वामी मंदिर ...

डॉक्टर है और उसके पास ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता है। इस गिरोह ने पिछले गुरुवार को पद्मनाभ स्वामी मंदिर का दौरा किया था। इस दौरान इस गिरोह ने मंदिर के अंदर से पूजा के लिए इस्तेमाल की जाने वाली उरुली चुरा ली। श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में सुरक्षा के लिए एसपी, डीएसपी और चार सीआई सहित लगभग 200 पुलिस कर्मियों और शीर्ष पुलिस अधिकारियों को तैनाती रहती है। इस क्षेत्र को हाई लेव सिक्योरिटी जोन घोषित किया गया है। इसी बीच मंदिर में चोरी हो गई। गिरोह ने मेटल डिटेक्टर सहित सभी सुरक्षा प्रणालियों को चकमा देकर चोरी की। मामले में निर्णायक मोड़ तब आया जब पुलिस को गुरुवार को ही पूजा की रोली चुराने वाले गिरोह का वीडियो फुटेज मिल गया। फिर सीसीटीवी जांच के बाद आरोपियों को हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों को आज दोपहर तिरुवनंतपुरम लाया जाएगा। हाई सिक्योरिटी जोन वाले इस इलाके से चोरी की घटना से पुलिस की काफी फजीहत हुई है। बताया जाता है कि सुरक्षा उल्लंघन में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल...

विरासत और संस्कृति को देखने की कोशिश कर रहे हैं। लाइटहाउस देश में समुद्री पर्यटन के आकर्षण हैं। दूसरा भारतीय लाइटहाउस महोत्सव ऐतिहासिक पुरी, उड़ीसा बोधन के साथ–साथ विभिन्न बंदरगाह परियोजनाओं में आयोजित किया जा रहा है और लाइटहाउस परियोजनाएं शुभ हैं। यह उद्घाटन माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश के पर्यटन और समुद्री क्षेत्र में एक नए क्षितिज की शुरुआत करेगा। एक साइट के रूप में विकसित किया गया है, जो एक संग्रहालय, थिएटर से जुड़ा हुआ है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एयर थिएटर, कैफेटेरिया, बच्चों का पार्क और पर्यावरण–अनुकूल कॉटेज भी खुला है। उन्होंने आगे कहा कि असम और उत्तर पूर्व के जलमार्ग क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं, जिसे पुनर्जीवित करने के लिए हम विशेष प्राथमिकता दे रहे हैं। इसके महत्व को समझते हुए, हम असम के महत्वपूर्ण जलमार्ग क्षेत्रों में लाइटहाउस स्थापित करने की संभावना तलाश रहे हैं और मैं उत्तर पूर्व की सकारात्मकता पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। उड़ीसा के पुरी में दूसरे भारतीय लाइटहाउस महोत्सव में असम और उत्तर पूर्व की समृद्ध संस्कृति पर विशेष कार्यक्रम पेश किए गए। इसके अलावा पापोन के खूबसूरत गानों की परफॉर्मेंस ने पूरे कार्यक्रम में एक और आयाम जोड़ दिया। वहीं उन्होंने महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव का भी जिक्र किया, जिन्होंने अतीत में जगन्नाथ पुरी का दौरा किया था, रसराज लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ, जो काम के लिए उड़ीसा में थे, जैसी महान हस्तियों ने उड़ीसा और असम के बीच आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत किया है। हम इन संबंधों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 60 करोड़ रुपए के निवेश से नौ तटीय राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 75 प्रभावशाली लाइटहाउस विकसित किए गए हैं। प्रत्येक प्रकाश स्तंभ विरासत और पर्यटन दोनों का एक संयोजन बन गया है। उड़ीसा ने लाइटहाउस पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पांच लाइटहाउस– गोपालपुर, पुरी, चंद्रभाग, पाराद्वीप और फॉल्स पॉइंट भी विकसित किए हैं। अकेले 2023–24 वित्तीय वर्ष में, 75 प्रकाशस्तंभों ने 16 लाख आगंतुकों को आकर्षित किया। इस वर्ष सितंबर तक, वित्त वर्ष 2024–25 तक 1 मिलियन से अधिक आगंतुक आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि 2013–14 की तुलना में 2023–24 में लाइटहाउस में पर्यटकों की संख्या 400 प्रतिशत बढ़ गई है। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, जो दूसरे लाइटहाउस फेस्टिवल के लिए उड़ीसा के पुरी में हैं, ने नीलाद्रि समुद्र तट पर अपने सहयोगियों और अधिकारियों के साथ सफाई अभियान में भाग लिया। उन्होंने समुद्र तट पर रेत कला देखने और स्थानीय लोगों के साथ बातचीत करने का भी आनंद लिया। माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में स्वच्छता आंदोलन ने देश के लोगों को स्वच्छ भारत के निर्माण के लिए एकजुट किया है। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर, उड़ीसा के उप मुख्यमंत्री प्रभाती परीदा, केंद्रीय पर्यटन और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी, पुरी के सांसद संबित पात्रा, केंद्रीय सचिव, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय टीके रामचंद्रन और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। गणमान्य लोग उपस्थित होते हैं। उड़ीसा के पुरी में तालाबनिया मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में तटीय भोजन, मनोरंजन पार्क, लोक नृत्य और संगीत, समुद्र तट बाजार, प्रसिद्ध बॉलीवुड गायकों और अन्य लोगों द्वारा प्रदर्शन किया गया।

विवाहित प्रेमी ने ...

हवाले कर दिया। म्यदुकुरु के उप–विभागीय पुलिस अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि विग्नेश ने शनिवार सुबह करीब 10 बजे नाबालिग को आग लगा दी थी, जिसके बाद पीड़िता को कडप्पा स्थित आरआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन रविवार तड़के करीब तीन बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, विग्नेश और लड़की के बीच प्रेम संबंध में थे, लेकिन विग्नेश ने उससे रिश्ता तोड़कर दूसरी महिला से शादी कर ली। उसने बताया कि लड़की ने छह महीने पहले विग्नेश से बात की थी और उससे शादी करने के लिए कहा। विग्नेश ने उसकी मांग से तंग आकर उसे आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि विग्नेश पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी विग्नेश फरार है और उसे पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र : भाजपा ने ...

उम्मीदवार बनाया गया है। इसी तरह शहादा से राजेश उदेसिंह पडवी, नंदुरबार से विजयकुमार कृष्णराव गावित, धुले शहर से अनुप अग्रवाल, सिंधखेड़ा से जयकुमार जीतेंद्र सिंह रावल, शिरपुर से काशीराम वेचन पावरा, रावेर से अमोल जावले,भुसावल से संजय वामन सावकरे, जलगांव शहर से सुरेश दामू भोले, चालीसगांव से मंगेश रमेश चव्हाण, जामनेर से गिरीश दत्तात्रेय महाजन, चिखली से श्रीमती श्वेता विद्याधर महाले, खामगांव से आकाश पांडुरंग फुंडकर, जलगांव–जामनेर से डॉ. संजय श्रीराम कुट्टे, आकोला पूर्व से रणधीर प्रह्लादराव सावरकर, धामगांव रेलवे से प्रताप जनार्दन अड़सद, अचलपुर से प्रवीण तायडे, देवली से राजेश बकाने, हिंगनघाट से समीर त्र्यंबकराव कुणावर, वर्धा से पंकज राजेश भोयर, हिंगना से समीर दत्तात्रेय मेघे, नागपुर दक्षिण से मोहन गोपालराव मते, नागपुर पूर्व से कृष्णा खोपड़े, तिरोरा से विजय भरतलाल रहांगडाले, गोंदिया से विनोद अग्रवाल,आमगांव से संजय हनवंतराव पुरम, आरमोरी से कृष्णा दामाजी गजबे, बल्लारपुर से सुधीर सच्चिदानंद मुनगंटीवार, चिमुर से बंटी भांगडिया, वाणी से संजीवरेड्डी बापुराव बोडकुरवार, रालेगांव से डॉ. अशोक रामाजी उड़के, यवतमाल से मदन मधुकर राव येरावर, किनवट से भीमराव रामजी केरम, भोकर से श्रीजया अशोक चव्हाण, नायगांव से राजेश संभाजी पवार, मुखेड़ से तुषार राठोड़, हिंगोली से तानाजी मुटकुले, जितुर से मेधना बोर्डीकर, परतुर से बबन राव लोणीकर, बदनापुर से नारायण कुचे, भोकरदन से संतोष राव दानवे, फुलंबरी अनुराधा ताई अतुल चव्हाण, औरंगाबाद पूर्व अतुल सावे, गंगापुर से प्रशांत बंब, बगलान से दिलीप मंगलू बोरसे, चंदवड से राहुल दौलतराव आहेर, नासिक पूर्व से राहुल उत्तमराव ढिकले, नासिक पश्चिम से सीमाताई हिरे, नालासोपारा से राजन नाईक, भिवंडी पश्चिम से महेश प्रभाकर चौगुले, मुरबाड से किशन शंकर कथोरे, कल्याण पूर्व से सुलभा कालू गायकवाड़, डोंबिवली से रवींद्र दत्तात्रेय चव्हाण, ठाणे से संजय मुकुंद केलकर, ऐरोली से गणेश नाईक, बेलापुर से मंदा विजय म्हात्रे, दहिसर से मनीषा अशोक चौधरी, मुलुंड से मिहिर कोटेचा, कांदिवली से अतुल भातखलकर, चारकोप से योगेश सागर, मालाड पश्चिम से विनोद शेलार, गोरेगांव से विद्या जयप्रकाश ठाकुर, अंधेरी पश्चिम से अमित साटम, विलेपार्ले से पराग अलवणी, घाटकोपर पश्चिम से राम कदम, बांद्रा पश्चिम से आशीष शेलार, सायन कोलीवाड़ा से कैप्टन आर तमिल सेलवन, वडाला से कालीदास नीलकंठ कोलंबकर, मालाबार हिल से मंगल प्रभात लोढ़ा, कोलाबा से राहुल सुरेश नार्वेकर, पनवेल से प्रशांत ठाकुर, उरन से महेश बालदी, दौंड से राहुल सुभाष कुल, चिंचवड़ से शंकर जगताप, भोसरी से महेश लाडगे, शिवाजी नगर से सिद्धार्थ शिरोले, कोथरुड से चंद्रकांत दादा पाटिल, पारवती से भाधुरी सतीश मिसाल, शिरडी से राधाकृष्ण एकनाथ विखे पाटिल, शेवगांव से मोनिका राजले, राहुरी से शिवाजी राव कार्डिले, श्रीगोंडा से प्रतिभा पाचपुते, कर्जत –जामखेड से राम शिंदे, केज से नमिता मुंदड़ा, निलंगा से संभाजी पाटिल निलंगेकर, औसा से अभिमन्यू पवार, तुलजापुर से राणा जगजीतसिंह पद्मसिंह पाटिल, सोलापुर शहर से विजयकुमार देशमुख, अक्कलकोट से सचिन कल्याणशेट्टी, सोलापुर दक्षिण से सुभाष देशमुख, मान से जयकुमार गोरे, कराड दक्षिण से डॉ. अतुल सुरेश भोसले, सातारा से छत्रपति शिवेंद्र राजे भोसले, कणकवली से नीतेश नारायण राणे, कोल्हापुर दक्षिण से अमल महाडिक, इचलकरंजी से राहुल प्रकाश आव्हाडे, मिरज से सुरेश खाडे और सांगली से सुधीर दादा गाडगिल को उम्मीदवार बनाया गया है।

रोहिणी : सीआरपीएफ स्कूल...

घटना स्थल पर पहुंच गए हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि रोहिणी के सेक्टर–14 में सी.आर.पी.एफ स्कूल के पास हुए धमाके के बाद दमकल विभाग की गाड़ियां, बम निरोधक दस्ता और पुलिस की फोरेंसिक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। डीएफएस के अधिकारियों ने बताया कि हमें सीआरपीएफ स्कूल की एक दीवार के पास सुबह सात बजकर 50 मिनट पर धमाका होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद हमने तुरंत दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा। धमाका होने के कारण आग नहीं लगी है और न ही कोई घायल हुआ है, इसलिए हमारी गाड़ी वापस लौट आई। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा और विशेष प्रकोष्ठ सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमारी फोरेंसिक टीम और अपराध इकाई घटनास्थल से नमूने एकत्र करने के लिए मौके पर मौजूद है। एक पटाखे के कारण यह धमाका हो सकता है, लेकिन हम इस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि वे घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने एक बयान में कहा कि उसे सुबह 7.47 बजे एक जोरदार धमाका होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने कहा कि धमाका होने से स्कूल की दीवार क्षतिग्रस्त पाई गई और वहां दुर्गंध आ रही थी। थाना प्रभारी/पीवी और अन्य कर्मी मौके मौजूद हैं। पास की दुकान और दुकान के पास खड़ी कार के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। पुलिस ने बताया कि अपराध शाखा की टीम, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) टीम और बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया है। घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई है। दमकल विभाग की टीम भी मौके पर मौजूद है। धमाका होने के कारणों की जांच की जा रही है।

राजस्थान : तेज रफ्तार...

बाडी कस्बे में शोक की लहर। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल हरिभाऊ बगडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गहरा दुख जताया है। हादसे के मृतकों तथा घायलों के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से आर्थिक सहायता का भी एलान किया गया है। जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी ने बताया कि टैंपू एवं बस की टक्कर में एनएच बी पर टैंपू में सवार 13 में से 12 लोगों की मृत्यु एवं 1 बच्चा गंभीर घायल होने पर तत्काल हायर सेंटर रैफर किया गया। मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना की पात्रता नहीं रखने वाले मृतकों के आश्रितों को मुख्यमंत्री सहायता कोष शिथिलता प्रदान कर प्रत्येक को 2–2 लाख रुपए एवं घायल को 50 हजार की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना के तहत खाद्य सुरक्षा योजना की पात्रता रखने वाले के परिवार को 10–10 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजन को 2 लाख रुपए एवं घायल को 50 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान किये जाने की घोषणा की गई है। बाड़ी कोतवाली थाना प्रभारी शिव लहरी मीणा ने बताया कि बा ?ी शहर की करीम कॉलोनी गुमट मोहल्ला निवासी नहनू एवं जहीर के परिवार के लोग सरमथुरा थाना इलाके के बरौली गांव में रिश्तेदारी में भात कार्यक्रम में शामिल होकर शनिवार रात को वापस घर लौट रहे थे। रात्रि को करीब 11 बजे बाडी सदर थाना इलाके के सुनीपुर गांव के नजदीक धौलपुर से सरमथुरा की ओर जा रही स्लीपर कोच बस संख्या (यूपी 83 बी टी 1737) ने सामने से आ रहे टेंपो संख्या (आरजे–11 पीए 5645) को टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में नौ बच्चे समते 12 लोगों की मौत हो गई। जिनमें छह बच्चे, तीन बच्ची, दो महिला और एक पुरुष शामिल है। इस दर्दनाक हादसे में घायल हुए तीन लोगों में स्लीपर कोच बस चालक एवं परिचालक भी शामिल हैं। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है तथा हादसे के कारणों की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। बाड़ी कोतवाली थाना प्रभारी शिव लहरी मीणा ने बताया कि स्लीपर कोच बस और टेंपो की टक्कर में 14 वर्षीय आसमा पुत्री इरफान उर्फ बंटी, 38 वर्षीय इरफान उर्फ बंटी पुत्र गफ्फो, 8 वर्षीय सलमान पुत्र इरफान उर्फ बंटी, 6 वर्षीय साकिर पुत्र इरफान उर्फ बंटी, 10 वर्षीय दानिश पुत्र जहीर, 5 वर्षीय अजान पुत्र आसिफ, 35 वर्षीय जरीना पत्नी नहनू, 10 वर्षीय आशियाना पुत्री नहनू, 7 वर्षीय सुखी पुत्री नहनू, 9 वर्षीय सानिफ पुत्र नहनू की घटना स्थल पर मौत हुई है। वहीं, जिला चिकित्सालय धौलपुर रेफर किए गए घायलों में महिला 32 वर्षीय जूली पत्नी इरफान उर्फ बंटी ने रास्ते में दम तोड़ दिया। इसके साथ ही 10 वर्षीय साजिद पुत्र आसिफ का भी इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, हादसे में जख्मी 38 वर्षीय धर्मेंद्र पुत्र मलखान एवं 32 वर्षीय प्रवीण पत्नी जहीर को जिला चिकित्सालय धौलपुर में भर्ती कराया गया है, जहां से उन्हें आगरा रेफर किया गया है।

नेपाल की धरती ...

नीति का पालन करना अनिवार्य है। बैठक के दौरान ओली ने नेपाल के आर्थिक विकास के लिए चीन से निरंतर समर्थन की आशा भी व्यक्त की। प्रधानमंत्री के सचिवालय के अनुसार, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (यूनिफाइड मार्क्सिस्ट–लेनिनिस्ट) पार्टियों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने और सहयोग बढ़ाने के बारे में भी बातचीत हुई। ओली सीपीएन (यूएमएल) के अध्यक्ष हैं और उन्हें चीन समर्थक नेता के रूप में देखा जाता है।

हम जो कहते हैं ...

गर्ल्स हॉस्टल के निर्माण के लिए आधारशिला रखी। इस दौरान आयोजित विशाल जनसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का दिन बहुत ही शुभ है। अभी मैं आंखों के एक बड़े अस्पताल का लोकार्पण करके आया हूं। शंकरा नेत्र अस्पताल से बुजुर्गों और बच्चों को बहुत मदद मिलने वाली है। बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से अब यहां हजारों करोड़ों रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। आज उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अलग–अलग एयरपोर्ट का शुभारंभ हुआ है। कुल मिलाकर देखें तो आज शिक्षा, कौशल–विकास, खेल, स्वास्थ्य, पर्यटन, हर क्षेत्र की परियोजनाएं वाराणसी को मिली हैं। ये सारी परियोजनाएं सुविधा के साथ–साथ देश के नौजवानों के लिए रोजगार के अनेक नए अवसर लेकर आई है।

हिजबुल्लाह ने बड़ी ...

हत्या का ये प्रयास उन्हें हिजबुल्लाह को खत्म करने से नहीं रोक सकता है। इजराइली पीएम ने ईरान समर्थित हिजबुल्लाह को चेतावनी भी दी। हिजबुल्लाह ने नेतन्याहू के होम टाउन सिसेरिया को ड्रोन से निशाना बनाया था। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने इस हमले की पुष्टि की थी। पीएमओ ने बताया कि इस हमले में पीएम नेतन्याहू का निजी आवास निशाने पर था। हमले के वक्त नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे। अल जजीरा ने गाजा अधिकारियों की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी गाजा में बेत लाहिया पर इजरायली हमले में 73 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। गाजा के सरकारी मीडिया कार्यालय ने कहा कि बचाव कार्य जारी रहने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

इंडोनेशिया : शपथ ग्रहण ...

की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित हुए शपथ ग्रहण समारोह में भारत, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, चीन और ऑस्ट्रेलिया समेत 40 से अधिक देशों के नेता शामिल हुए। भारत की ओर से शपथ ग्रहण समारोह में विदेश राज्यमंत्री पबित्र मार्गेरिटा उपस्थित रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दोनों नेताओं को बधाई दी। विदेश राज्यमंत्री मार्गेरिटा के शनिवार को इंडोनेशिया पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया था। अपनी यात्रा के दौरान विदेश राज्यमंत्री ने इंडोनेशिया में अग्रणी भारतीय कंपनियों के सीईओ के साथ विचारों का आदान–प्रदान भी किया।

बांग्लादेश में अब ...

रूहुल कुद्दूस ने बताया कि यह आदेश मुख्य न्यायाधीश सैयद रेफत अहमद के नेतृत्व वाली छह सदस्यीय पीठ ने पारित किया। मुख्य न्यायाधीश कुद्दुस ने कहा कि फैसले से मूल सांवधानिक प्रावधान मजबूत होंगे। इस फैसले के तहत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन के दौरान पारित 16वें सांवधानिक संशोधन को भी रद्द किया गया। इसमें न्यायाधीशों पर महाभियोग चलाने का काम सर्वोच्च न्यायिक परिषद के बजाय संसद को दिया गया था। बताया जाता है कि जनवरी 2014 में 16वां संविधान संशोधन पारित किया गया था।

असम उपचुनाव : भाजपा ने तीन उम्मीदवारों की घोषणा की, सभी 5 सीटों पर जीत का भरोसा

बिस्वनाथ। काफी विचार-विमर्श के बाद, राज्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए शनिवार रात अपने तीन उम्मीदवारों की घोषणा की। भाजपा ने ढोलई से निहार रंजन दास को मैदान में उतारा है, जबकि बेहाली सीट से दिगंता घाटोवार को उम्मीदवार बनाया है। सामागुड़ी में डिप्लू रंजन शर्मा ने बीजेपी का टिकट हासिल कर लिया है। भगवा पार्टी पांच में से तीन सीटों पर उपचुनाव लड़ेगी, जबकि दो सीटें - बंगाईगांव और सिदली - उसके राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के लिए छोड़ दी गई हैं। संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि हमने तीनों निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हैं और हमें सभी पांच सीटों पर

जीत का भरोसा है। मंत्री हजारिका ने यह भी कहा कि भाजपा का ध्यान जीत पर केंद्रित है और उसे इस बात की चिंता नहीं है कि विपक्ष उसके उम्मीदवारों के खिलाफ किसे खड़ा करता है। हजारिका ने आत्मविश्वास से कहा कि हमें इस बात की चिंता नहीं है कि हमारे विरोधी कौन हैं। जो भी हमारे खिलाफ चुनाव लड़ता है, हमारा लक्ष्य उसे हराना है। हम उनकी (विपक्ष की) आंतरिक रणनीतियों से अनभिज्ञ हैं और स्पष्ट रूप से कहें तो इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। खबरों के अनुसार, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने चुनाव से पहले उम्मीदवारों के लिए प्रचार नहीं करने का फैसला किया है। इस बीच, असम सोनोमिलिटो मोर्चा के बैनर तले संयुक्त विपक्ष ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, जिसके रविवार शाम तक होने की उम्मीद है। यहां हम यह बताना चाहेंगे कि असम ट्रिब्यून ने 12 अगस्त को सबसे पहले यह खबर दी थी कि डिप्लू रंजन शर्मा सामगुरी सीट से भाजपा के उम्मीदवार होंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने 15 अक्तूबर को असम विधानसभा उपचुनाव की तारीखों की घोषणा की और नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

त्रिपुरा से बांग्लादेश में घुसपैठ करते समय पांच भारतीय नागरिक गिरफ्तार

35 लाख रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त

अगरतला (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बांग्लादेश में घुसपैठ करते समय पांच भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 35 लाख रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए। आज बीएसएफ ने विशेष सूचना पर चलाए गए अभियान के दौरान पश्चिमी त्रिपुरा जिले के अंतर्गत हरनाखोला सीमा चौकी के जवानों ने एक नाबालिग सहित पांच भारतीय नागरिकों को उस समय हिरासत में लिया, जब वे बांग्लादेश में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। बीएसएफ ने कहा कि हिरासत में लिए गए सभी भारतीय नागरिक एक ही परिवार के सदस्य हैं। वे अगरतला के दक्षिण रामनगर के निवासी हैं। इसके अलावा, बीएसएफ के जवानों ने दो हजार याबा टैबलेट, 146 किलोग्राम गांजा, 350 किलोग्राम चीनी, 225 बोतल फेंसेडिल और 35 लाख रुपए मूल्य के अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किए। बीएसएफ ने कहा कि बीएसएफ ने घुसपैठ और सीमा पार अपराध को रोकने के लिए त्रिपुरा में सीमा पर अभियान तेज कर दिया गया है।

छह करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ समेत, दो युवक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) टीम ने रविवार तड़के भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया है। मादक पदार्थ के साथ दो आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक ट्रक चला रहा था। असम पुलिस मुख्यालय से जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार एसटीएफ को कांगपोकपी (मणिपुर) से निचले असम जिले में एक ट्रक के जरिए मादक पदार्थ ले जाए जाने की खुफिया जानकारी मिली थी। मादक पदार्थ को गुवाहाटी के लताशिल निवासी मुर्तजा अहमद उर्फ भुलू (31) को देने के लिए भेजा गया था, जो इसे बाइहाटा और रंगिया आदि क्षेत्रों में पहुंचाने वाला था। सूचना के आधार पर मुर्तजा अहमद के ट्रक को अमीनगांव में रोका गया। तलाशी के दौरान ट्रक में छुपाकर लाए गए प्लास्टिक की 49 साबुनदानी बरामद की गयी, जिसमें हेरोइन था। जब्त की गई हेरोइन की अंतर्राष्ट्रीय ब्लैक मार्केट में कीमत लगभग 6 करोड़ रुपए बताई गई है। बाद में, तस्करी में शामिल डोकमोका, कार्बी आंग्लांग निवासी ट्रक चालक प्रशांत टोप्पो (27) को भी गिरफ्तार किया गया। प्रशांत मादक पदार्थ को मणिपुर से लाया था। ट्रक को मादक पदार्थों सहित जब्त कर कानूनी कार्रवाई जा रही है।

सड़क दुर्घटना एक की मौत, तीन घायल

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के मायंग के बूढ़ामायंक इलाके में रविवार की सुबह हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अन्य तीन लोगों को गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि रविवार की सुबह 5 बजे हुई एक सड़क दुर्घटना में महिदुल इस्लाम की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, पाभकाति निवासी फैजल हक को जीएनआरसी अस्पताल और अन्य दो को गंभीर अवस्था में मोरीगांव जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। घटना के समय टेंपो में चार लोग सवार थे। गुवाहाटी की ओर से दूध लेकर आ रहे वाहन ने टेंपो को जोरदार ठोकर मार दिया। जिसकी वजह से हादसा हुआ। ऑटो में सवार सभी लोग मायंग के पाभकाति के रहने वाले बताए गए है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

राज्यपाल की प्रतिभा प्रोत्साहन योजना स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल की प्रतिभा प्रोत्साहन योजना 2024-25 के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट आज चार केंद्रों पर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इनमें कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, बंगाईगांव यूनिवर्सिटी, बंगाईगांव, जगन्नाथ बरुवा यूनिवर्सिटी, जोरहाट और गुरुचरण यूनिवर्सिटी, सिलचर शामिल हैं। स्क्रीनिंग टेस्ट में कुल 511 छात्रों ने भाग लिया। यह पहल राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर परिकल्पित और आरंभ की गई है। इस योजना का उद्देश्य इच्छुक उम्मीदवारों को यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के लिए निःशुल्क कोचिंग प्रदान करना है। कोचिंग की सुविधा और प्रशिक्षण नई दिल्ली (एनसीआर) में प्रतिष्ठित एजेंसियों, अर्थात पवन चिंतन धारा आश्रम और आर्य प्रतिभा विकास संस्थान द्वारा प्रदान किया जाएगा। स्क्रीनिंग परीक्षा राजभवन, असम द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों पर जिला प्रशासन के पूर्ण सहयोग से आयोजित की गई।

ड्रग्स समेत एक तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के रुपहीहाट पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर ड्रग्स समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि आज तड़के रुपहीहाट थाने के इंस्पेक्टर संजीत कुमार राय के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान 19 प्लास्टिक के छोटे-छोटे शीशी में भर कर रखे गए 40.47 ग्राम हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर के पास एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। जिसे गिरफ्तार आरोपी ड्रग्स तस्करी के लिए व्यवहार करता था। घटनास्थल पर मौजूद तीन लोगों की मौजूदी में ड्रग्स समेत आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

भारी मात्रा में तांबे का तार बरामद, एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सातगांव पुलिस ने एक डेम्प (कबाड़) से भारी मात्रा में तांबे का तार बरामद किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र इलाके में एक कबाड़ी के दुकान में चलाया गए अभियान के दौरान 15 किलोग्राम चोरी के तांबे का तार बरामद किया गया है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सद्दाम हुसैन (30) के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

शिशु शिक्षा समिति असम की प्रांतीय चिंतन बिंदु क्रियान्वयन बैठक हुई

गुवाहाटी (हिंस)। शिशु शिक्षा समिति, असम की प्रांतीय चिंतन बिंदु क्रियान्वयन बैठक आज यहां असम प्रकाशन भारती की सभागार में हुई। इसमें विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, शिशु शिक्षा समिति, असम के अध्यक्ष कुलेंद्र कुमार भगवती, महासचिव जगन्नाथ राजबंशी, प्रांत संगठन मंत्री नीरव घेलानी, कार्यकारी परिषद के कई सदस्यों के अलावा कई चयनित प्रधानाचार्य और पूर्णकालिक

कार्यकर्ता समेत पचास से अधिक लोग उपस्थित थे। प्रचार प्रमुख मुकुटेश्वर गोस्वामी ने बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि कई सत्रों में आयोजित इस बैठक में विद्या भारती केंद्रीय समिति द्वारा निर्धारित बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और शिशु शिक्षा समिति, असम और इसके अन्तर्गत संचालित निकेतनों को आगे बढ़ाने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा सकते हैं, इस पर दिशा निर्देश तैयार किए गए।

नदी से शव बरामद

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के डिमौ नदी से आज एक शव बरामद किए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि शिवसागर के ऐतिहासिक पहुंगढ़ के समीप मानकटा आली इलाके में स्थित डिमौ नदी में एक व्यक्ति का शव तैरता देखे जाने की जानकारी स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से नदी से मृत व्यक्ति का शव बाहर निकाला।

चौबीस घंटे बीत जाने के बाद भी नहीं हुई मृतक की शिनाख्त

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बाहरी इलाके जोराबाट पुलिस चौकी क्षेत्र के हस्तिनापुर इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति की पोस्टमार्टम के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने रविवार को बताया कि हस्तिनापुर इलाके में स्थित हयात इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग एजुकेशन के पास शुक्रवार की देर शाम 7:30 बजे अल्टो कार (एएस-05ई-1909) द्वारा ठोकर मार जाने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसे इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल ले जाया गया जहां पर उसी रात को 11:30 बजे चिकित्सा के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक इलाके में अघोरी की तरह घूमता फिरता था। उसे लोग दीपेश छेत्री के नाम से जानते थे। पोस्टमार्टम के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। ना ही उसके परिजन उसका शव लेने के लिए पहुंचे हैं। 72 घंटे बाद यानी मंगलवार को पुलिस पहचान नहीं होने पर शव को दफना देगी।

जीजा ने की साले की हत्या

गुवाहाटी (हिंस)। सोनापुर थाना क्षेत्र के हहरा बरगोग गांव में साले की बड़ी बेरहमी से जीजा द्वारा हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि नशे में धुत डिंबेश्वर बनिया ने चाकू से हमला कर अपने साले धर्मेंद्र मेधी की हत्या कर दी। घटना के बाद बिंदेश्वर बनिया मौके से फरार होने की कोशिश की। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने हत्या के आरोपी डिंबेश्वर को गिरफ्तार कर लिया। गंभीर अवस्था में घायल धर्मेंद्र को इलाज के लिए 108 एंबुलेंस के जरिए सोनपुर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। घटना की रात हहरा तीनाली से जीजा और साला एक साथ घर पहुंचे थे। छोटी सी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हुई। इस बीच जीजा ने साले को मौत के घाट उतार दिया। हत्या का आरोपी डिंबेश्वर कार्बी आंलोंग जिले के बैठलांग्शु का रहने वाला है। एक महीने पूर्व धर्मेंद्र के घर में व्यापार करने के लिए आया था। घटना धर्मेंद्र के घर में हुई है। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर हत्या में शामिल गिरफ्तार आरोपी से सघन पूछताछ कर रही है।

एएआई ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय वायु यातायात नियंत्रण दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण क्षेत्रीय खेल नियंत्रण बोर्ड (एनईआर) ने एटीसी गिल्ड (आई), एनईआर के सहयोग से 20 अक्तूबर को 63वें अंतर्राष्ट्रीय वायु यातायात नियंत्रण दिवस के उपलक्ष्य में स्वच्छता फ्रीडम रन 5.0 मैराथन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस अवसर का सम्मान करने और सामुदायिक फिटनेस को बढ़ावा देते हुए वायु यातायात नियंत्रकों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, मैराथन का आयोजन एलजीबीआई हवाई अड्डे पर भागीदारों डेकाथलॉन, अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज लिमिटेड और अन्य हितधारकों के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया - जिसमें 50-70 एयर ट्रैफिक कंट्रोल अधिकारी और गुवाहाटी एयरपोर्ट के प्रमुख विमानन हितधारक शामिल थे- यह फिट इंडिया मूवमेंट का समर्थन करता है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की *स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत* पहल का दृष्टिकोण है। यह पहल एक प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए फिटनेस, स्वच्छता और स्वास्थ्य को आवश्यक मानती है। यह मैराथन चल रहे फिट इंडिया स्वच्छता फ्रीडम

रन 5.0 (2-31 अक्तूबर) से प्रेरित है, जिसे *स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत* थीम के तहत आयोजित किया जा रहा है। यह इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स एसोसिएशन (आईएफटीसीए) की 2024 की थीम: *लोगों में निवेश, एटीएम का भविष्य* से मेल खाता है। इस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में एनईआर के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (आरईडी) एम राजा किशोर ने हरी झंडी दिखाई। अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मैराथन एक दौड़ से कहीं बढ़कर है। यह उन गुमनाम नायकों का उत्सव है जो हमारे आसमान को सुरक्षित रखते हैं: एयर ट्रैफिक कंट्रोलर। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला कि हर दिन लाखों यात्री सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंचें। उन्होंने वैश्विक विमानन के निर्बाध संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। किशोर ने कहा कि हालांकि उनके काम को ज्यादातर अनदेखा किया जाता है, लेकिन एयर ट्रैफिक कंट्रोलर विमानन के केंद्र में हैं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को उनकी व्यावसायिकता और समर्पण को पहचानने पर गर्व है, जो दुनिया भर में हवाई यात्रा की सुरक्षा और दक्षता सुनिश्चित करता है। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर के अंतर्राष्ट्रीय दिवस को मनाने के अलावा, यह कार्यक्रम फिट इंडिया मूवमेंट के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ है, जो शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है और *स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत* में योगदान देता है। किशोर ने फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए सम्मानित भागीदारों डेकाथलॉन और सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए अपोलो एक्सेलकेयर अस्पताल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके समर्थन से, हम आत्मविश्वास से दौड़ सकते हैं, यह जानते हुए कि हमारे प्रतिभागियों की भलाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रतिभागियों को अपने समापन संदेश में किशोर ने कहा कि गर्व के साथ दौड़ें। जुनून के साथ दौड़ें। और सबसे बढ़कर, उद्देश्य के साथ दौड़ें। आज आप जो भी कदम उठाएंगे, वह एक मजबूत आप और एक मजबूत भारत की ओर एक कदम है। आइए इस मैराथन को फिटनेस, स्वास्थ्य और एकता का अविस्मरणीय उत्सव बनाएं। एएआई के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें जीएम एचआर जियान बत्रा, जीएम एटीएम एम. झिमो, जीएम सीएनएस जी सत्यनंदन और जीएम इंजीनियरिंग टी सुब्रमण्यन के साथ ही गुवाहाटी एयरपोर्ट के अन्य प्रमुख हितधारक भी मौजूद रहे।

असम राइफल्स, लोखरा ने सिलोनीबाड़ी क्लब के साथ एक दोस्ताना वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया

विश्वनाथ (विभास)। असम राइफल्स ने लोखरा के सोलोनी बारी क्लब के साथ एक दोस्ताना वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया। यह कार्यक्रम लोकरा गैरीसन में हुआ, जिससे सशस्त्र बलों और स्थानीय समुदाय के बीच सौहार्द्र को बढ़ावा मिला और संबंध मजबूत हुए। इस कार्यक्रम में कुल 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें लोखरा के 25 स्थानीय लोग और असम राइफल्स के 50 जवान शामिल थे। खेल ऊर्जा और खेल कौशल से भरपूर था, जो एकता और सहयोग की भावना को दर्शाता था। दोनों टीमों ने उल्लेखनीय कौशल और उत्साह का प्रदर्शन किया, जिससे कार्यक्रम सभी प्रतिभागियों के लिए मनोरंजक बन गया। यह मैत्रीपूर्ण मैच असम राइफल्स और स्थानीय लोगों के बीच स्वच्छ बातचीत को बढ़ावा देने, विश्वास और आपसी सम्मान को बढ़ाने का एक शानदार अवसर था। इस तरह की पहल सुरक्षा बलों और जिन लोगों की वे सेवा करते हैं, उनके बीच संबंधों को मजबूत करने में सहायक होता हैं।

संपादकीय

फिर सैनी की ताजपोशी

भले ही यह अप्रत्याशित हो, लेकिन यह एक टकसाली हकीकत है कि हरियाणा में भाजपा को तीसरे कार्यकाल के लिये स्पष्ट जनादेश मिला है। हो सकता है पार्टी यह कहे कि यह निर्णायक जनादेश भाजपा के शासन मॉडल के प्रति विश्वास मत के रूप में अभिव्यक्त हुआ है, लेकिन इसके बावजूद जरूरत इस बात की है कि उन मुद्दों पर मंथन किया जाए जिनको लेकर चुनाव के दौरान जनता में असहजता थी। निस्संदेह, नायब सिंह सैनी, जिनको पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की छाया में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था, लेकिन उनके नेतृत्व में पार्टी ने पिछली बार से अधिक सीटें लेकर पूर्ण बहुमत से सरकार बनायी है। मगर जिस चीज से नायब सिंह सैनी को सावधान रहने की जरूरत है, वह है अति-आत्मविश्वास। हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अति-आत्मविश्वास की कीमत चुकाई है। निस्संदेह, सैनी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार के पास हरियाणा में आधारभूत बदलाव से जनाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने का सुनहरा मौका है। उन्हें पूर्ण बहुमत वाली सरकार के रूप में जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिये कृतसंकल्प होने की जरूरत है। दरअसल, चुनावी राजनीति में जनता के दरबार में उछले विपक्षी नेताओं के आरोप कई बार सत्तापक्ष को आत्मविश्लेषण का मौका भी देते हैं। चुनावी माहौल में जहां विपक्षी दल सत्ता पक्ष की रीतियों-नीतियों को लेकर मुखर होते हैं, वहीं ऐसे मौके पर जनता की अभिव्यक्ति का भी अहसास होता है। भाजपा जैसे कुशल संगठन वाली कैडर आधारित पार्टी से उम्मीद की जाती है कि जिस तरह उसने चुनावों में माइक्रो मैनेजमेंट किया, उसी तरह उसकी सरकार से भी उम्मीद की जाती है कि वह समस्याओं को भी बेहद करीब से सूक्ष्म स्तर पर महसूस करेगी। बहरहाल, भाजपा की इस जीत ने एक संदेश यह भी दिया है कि महज सत्ताविरोधी रुझान ही चुनाव परिणामों की दिशा-दशा तय नहीं करते। बदलाव की आकांक्षा को सुशासन व बेहतर प्रबंधन के मुद्दे भी गहरे तक प्रभावित करते हैं। निश्चित रूप से मुख्यमंत्री की दूसरी पारी में कार्यभार संभालने वाले नायाब सिंह सैनी की सरकार पर जनाकांक्षाओं का भारी दबाव होगा। उनका प्राथमिक उद्देश्य जनता से किये गए वायदों और उनके क्रियान्वयन होगा, जिससे जनता सुशासन की उपलब्धि महसूस कर सके। निश्चित रूप से किसी योजना की सार्थकता इस बात पर निर्भर करती है कि जनता उससे किस हद तक लाभान्वित महसूस करती है। कई बार व्यवस्था की विसंगति इस मार्ग में बाधक बन जाती हैं। इसके लिये आश्वासन व क्रियान्वयन में साम्य जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, पिछले मार्च में जब सैनी ने अपने गुरु मनोहर लाल खट्टर की छत्रछाया में सरकार का दायित्व हासिल किया था तो उन्हें राजनीतिक हलकों में गंभीरता से नहीं लिया गया। लेकिन उन्होंने पिछले विधानसभा चुनावों में न केवल खुद को साबित किया बल्कि राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। निस्संदेह, हरियाणा के इस नये जनादेश के दूरगामी परिणाम होंगे। इतना ही नहीं इस जीत ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व में भी एक नया उत्साह भर दिया। यह उत्साह महाराष्ट्र व झारखंड के चुनाव अभियान में भी नजर आ रहा है। निश्चित रूप से इन चुनावों ने मुख्यमंत्री के रूप में नायब सिंह सैनी का राजनीतिक कद बढ़ाया है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से भी उन्हें सकारात्मक प्रतिसाद व संबल मिला है। वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं तो उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ गई हैं। उन्हें क्षेत्र व जाति की सीमाओं से परे 'सबका साथ, सबका विकास' का लक्ष्य हासिल करना है। उनके लिये यह सुखद है कि जहां राज्य में उन्हें पिछली बार के मुकाबले ज्यादा सीटें मिलने से पूर्ण बहुमत हासिल हुआ है, वहीं केंद्र से भी उन्हें भरपूर समर्थन मिल रहा है। निस्संदेह, उन्हें 'डबल इंजन की सरकार' के मुहावरे को साकार करने का अवसर मिला है। जरूरत इस बात की कि वे पूर्व सरकार के मुखिया की छाया से निकलकर शासन की नई सर्व स्वीकार्य दिशा तय करें। वे महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम नजर आएं, जिससे राज्य में सरकार की स्वीकार्यता बढ़ सके। जिसमें पार्टी के वरिष्ठ विधायकों का अनुभव व कनिष्ठ विधायकों की ऊर्जा मददगार होगी।

निस्संदेह, नायब सिंह सैनी, जिनको पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की छाया में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था, लेकिन उनके नेतृत्व में पार्टी ने पिछली बार से अधिक सीटें लेकर पूर्ण बहुमत से सरकार बनायी है। मगर जिस चीज से नायब सिंह सैनी को सावधान रहने की जरूरत है, वह है अति-आत्मविश्वास। हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अति-आत्मविश्वास की कीमत चुकाई है। निस्संदेह, सैनी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार के पास हरियाणा में आधारभूत बदलाव से जनाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने का सुनहरा मौका है। उन्हें पूर्ण बहुमत वाली सरकार के रूप में जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिये कृतसंकल्प होने की जरूरत है। दरअसल, चुनावी राजनीति में जनता के दरबार में उछले विपक्षी नेताओं के आरोप कई बार सत्तापक्ष को आत्मविश्लेषण का मौका भी देते हैं।

नई सरकार को विकास की चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए आतंकमुक्त कश्मीर के संकल्प को मंजिल तक पहुंचाना होगा

जम्मू-कश्मीर में महका लोकतंत्रः सरकार से बड़ी उम्मीदें

ललित गर्ग

जम्मू-कश्मीर को निर्वाचित सरकार मिल गयी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद केन्द्र शासित प्रदेश में यह पहली चुनी हुई सरकार है, जो नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। उमर अब्दुल्ला पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास है। नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कठिन चुनौती भी है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है।

आखिरकार जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की धूप खिल ही गयी, पांच साल बाद केन्द्र शासित जम्मू-कश्मीर को निर्वाचित सरकार मिल गयी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद केन्द्र शासित प्रदेश में यह पहली चुनी हुई सरकार है, जो नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। उमर अब्दुल्ला पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास है। नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कठिन चुनौती भी है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है। घाटी में दशकों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के मद्देनजर घाटी के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया। तमाम ऊहापोह, सुरक्षा चुनौतियों तथा विदेशी दखल की तमाम आशंकाओं को निर्मूल करते हुए जम्मू-कश्मीर के जनमानस ने स्पष्ट सरकार बनाने का जनादेश दिया है। इस भूमिका तक पहुंचाने में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनना ऐसे ही प्रयासों की सार्थक निष्पत्ति है। नई सरकार को विकास की चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए आतंकमुक्त कश्मीर के संकल्प को मंजिल तक पहुंचाना होगा। जम्मू एवं कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार का गठन अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेगा बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। बहरहाल, ऐसे में नवनिर्वाचित सरकार और केंद्र का दायित्व है कि घाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जतायी है, उसे पूरा करने में भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मतदाता डर कर मतदान करने हेतु नहीं निकलते थे। मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाता निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को सकारात्मक समर्थन दिया है। यद्यपि लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस को कामयाबी नहीं मिल पायी थी, लेकिन जनता ने उन्हें राज्य में सरकार चलाने का स्पष्ट जनादेश दिया है। वहीं दूसरी ओर, इस भारी मतदान व स्पष्ट बहुमत का एक निष्कर्ष यह भी है कि लोग घाटी में शांति और सुकून, अमन एवं विकास, सौहार्द एवं सद्भावना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस क्षेत्र में शांति कायम होने के साथ विकास की नई बयार चले। जिसमें आम नागरिक खुद को सुरक्षित अनुभव करते हुए राष्ट्रीय विकास की धारा के साथ-साथ कदमताल कर सके। निश्चित ही उमर के सामने चुनौतियां बड़ी हैं, आम लोगों को भी उनकी कठिनाइयों का अंदाजा है, वहीं खुद उमर ने भी व्यावहारिक नजरिया अपनाने का संकेत दिया है। चुनाव के दौरान अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर कड़ा रुख अपनाने वाले उमर ने चुनाव नतीजे आने के बाद इस मसले पर अपना रुख नरम कर लिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात ऐसे नहीं हैं, जिनमें इस मुद्दे पर जोर देने का किसी को कुछ फायदा होगा। उम्मीद बढ़ाने वाली बात यह भी है कि चुनावी कड़वाहट को पीछे छोड़ते हुए सभी पक्षों ने सहयोग का रुख अपनाने का संकेत दिया है। न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नई सरकार के साथ मिलकर काम करने का संकेत दिया है बल्कि खुद उमर ने भी उपराज्यपाल से टकराव की बजाय आपसी समझ एवं सकारात्मकता से शासन करने की मंशा जतायी है, जो जहां जम्मू-कश्मीर की जनता के हित में है वही उमर की राजनीतिक सूझबूझ, परिपक्वता एवं विवेक का परिचायक है। चाहे उपमुख्यमंत्री पद जम्मू संभाग से चुने गए विधायक सुरिंदर चौधरी को स्थान देने की बात हो या कांग्रेस के लिए कैबिनेट में स्थान खाली रखने की, उमर अब्दुल्ला यह संकेत दे रहे हैं कि वह सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। कांग्रेस ने फिलहाल सरकार को बाहर से समर्थन देने की बात कही है, लेकिन इसका कारण राज्य का दर्जा न मिलने को बताया है। उमर को हर कदम सावधानी से उठाने होंगे ताकि कोई भी स्थिति मंत्री पदों की संख्या का या इंडिया गठबंधन के घटक दलों में मतभेद एवं टकराव का न बन जाए। उमर के एक-एक फैसले पर कैबिनेट और उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र का मसला सामने आ सकता है। ऐसे में देखना होगा कि इन सबके बीच जम्मू-कश्मीर की नई सरकार उमर के नेतृत्व में कितने सधे कदमों से आगे बढ़ती है। क्योंकि सरकार को अपना दायित्व इस बात को ध्यान में रखकर निभाना होगा कि केंद्रशासित प्रदेश में उपराज्यपाल के पास व्यापक अधिकार हैं। केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूती दे रहा है। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे हिंसा, अस्थिरता, आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं। जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी। इसलिये जम्मू-कश्मीर में नई सरकार को व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करते हुए बदली हुई शासन व्यवस्था के साथ भी साम्य स्थापित करना है। इस बात का अहसास उमर अब्दुल्ला को भी है कि शासन चलाने में अब पहले जैसी स्वतंत्रता नहीं होगी। विश्वास किया जाना चाहिए कि कम से कम सीमावर्ती घाटी की संवेदनशीलता को देखते हुए इस केंद्रशासित प्रदेश में वैसा टकराव देखने को नहीं मिलेगा, जैसा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और एलजी के बीच देखने को मिलता रहा है। विश्वास करें कि नई सरकार को प्रशासनिक मामलों में नौकरशाही का पर्याप्त सहयोग मिलता रहेगा। नीति-नियंताओं को ध्यान रखना होगा कि सरकार चलाने में किसी भी तरह का अनावश्यक व्यवधान कालांतर अशांति का वाहक बनेगा। उम्मीद करें कि यथाशीघ्र पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर में प्रशासन की विसंगतियां दूर की जा सकेंगी।

दृष्टि कोण

राजनीतिक असंवेदनशीलता से बढ़ता स्वास्थ्य जोखिम

दिल्ली में कूड़े के पहाड़ गंभीर समस्या बन चुके हैं, और इस पर प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी चिंता जताई है। प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए गठित विशेष कार्यबल की बैठक में कचरे के निपटान में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर कचरा निपटान के लिए मौजूदा कानूनों के सख्त अनुपालन और कचरे से बिजली बनाने की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके साथ ही, सड़कों और निर्माण गतिविधियों में धूल नियंत्रण के उपायों को भी प्राथमिकता देने की बात की गई। वास्तव में स्वच्छ भारत मिशन का मुख्य उद्देश्य दिल्ली में वर्षों से जमा कूड़े के ढेरों को समाप्त करना था, जो अब पहाड़ की शक्ल ले चुके हैं। यह मिशन 2 अक्तूबर, 2014 को शुरू हुआ, और एक महत्वपूर्ण पड़ाव 1 अक्तूबर 2021 को आया जब एसबीएम-2.0 की शुरुआत हुई। इस योजना के तहत कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया, और यह सुनिश्चित किया गया कि भविष्य में ऐसी समस्याएं न उभरें। केंद्र सरकार ने कूड़े के ढेरों को समाप्त करने के लिए 3000 करोड़ रुपये से अधिक की योजना शुरू की थी, जिसमें राज्यों से सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की गई थी। हालांकि, राजनीतिक दांवपेच के चलते इन कूड़े के पहाड़ों का निवारण अब तक नहीं हो सका है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में केवल 15 फीसदी कूड़े के पहाड़ कम हो पाए हैं, जिसकी आवास और शहरी विकास मंत्रालय द्वारा भी पुष्टि की गई है। यह स्थिति समस्या के समाधान में अनिच्छा और समन्वय की कमी को दर्शाती है। देश में 2,421 कूड़ाघर हैं, जहां 1,000 टन से अधिक ठोस कचरा जमा है। आवास और शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार, कूड़े के पहाड़ों में लगभग 15,000 एकड़ जमीन पर 16 करोड़ टन से ज्यादा कचरा फंसा है, जिसका निस्तारण एक बड़ी चुनौती है। प्रयासों के बावजूद, केवल 470 स्थानों को पूरी तरह साफ किया जा सका है, जबकि 730 साइटें अभी तक निस्तारण की प्रक्रिया से बाहर हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि नगर निकायों के पास कचरे के निस्तारण की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है। कुछ राज्यों की बात करें तो इस मामले में गुजरात शीर्ष पर है, जहां 202 लाख टन ठोस कचरे में से केवल 10.73 लाख टन कचरे का ही वहां निस्तारण होना बाकी है। जबकि देश की राजधानी दिल्ली में 203 लाख टन ठोस कचरे में से 126.02 लाख टन कचरे का निस्तारण अभी बाकी है। महाराष्ट्र में 388 लाख टन में से 242 लाख टन, पंजाब में 73.62 लाख टन में से 37.73 लाख टन, मध्य प्रदेश में 63.23 लाख टन में से 47.68 लाख टन, जम्मू-कश्मीर में 22.10 लाख टन में से 21.08 लाख टन, उत्तराखंड में 14.12 लाख टन में से 7.36 लाख टन और छत्तीसगढ़ में 6.54 लाख टन में से 0.52 लाख टन कचरे का निस्तारण अभी बाकी है। आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार 1,250 डंप साइटों में कूड़ा निस्तारण का काम पिछले दिनों शुरू कर दिया गया है। राजधानी दिल्ली में लाख कोशिशों के बावजूद कूड़े के पहाड़ खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं। यहां चार बार तो समय सीमा भी बदली जा चुकी है। सरकार, नगर निगम के बीच दांवपेच के चलते अभी तय की गयी दिसम्बर, 2028 की समय सीमा में फिर बदलाव हो सकता है। दिल्ली में गाजीपुर, ओखला और भलस्वा ये तीन मुख्य लैंडफिल साइटें हैं। यहां ओखला और भलस्वा में कचरा निस्तारण का काम बंद पड़ा है। गाजीपुर लैंडफिल साइट पर निस्तारण प्रक्रिया की धीमी गति के कारण, वहां 30 लाख मीट्रिक टन कूड़े का निस्तारण होना चाहिए था, लेकिन अब तक केवल 12 लाख मीट्रिक टन कचरे का ही निस्तारण हो सका है।

कुछ अलग

महंगाई की फिक्र

ऐसे वक्त में जब भारतीय बाजार त्योहार की रंगत में रंगने लगे हैं और कारोबारियों को बेहतर कारोबार की उम्मीद है, भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को लेकर फिक्रमंद है। उसे चिंता है कि महंगाई बढ़ी तो त्योहार की रौनक प्रभावित हो सकती है। तभी मौद्रिक नीति की घोषणा करते वक्त केंद्रीय बैंक ने रेपो दर को यथावत बनाये रखा है। बहरहाल, ये आने वाला वक्त बताएगा कि रिजर्व बैंक किस हद तक महंगाई पर नियंत्रण रखने में सफल हो पाता है। दरअसल, केंद्रीय बैंक का लक्ष्य है कि महंगाई की दर को चार फीसदी से नीचे रखी जाए। चिंता जतायी जा रही है कि आने वाले दो वर्ष में यह दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। जब दो साल पहले खुदरा महंगाई की दर सात फीसदी के करीब पहुंच गई थी तो केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक उपायों से महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया। बैंक ने धीरे-धीरे रेपो दर में वृद्धि की थी। फिलहाल छह बार की बढ़ोतरी से फिलहाल इस दर में करीब ढाई फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। अब महंगाई बढ़ने की फिक्र में केंद्रीय बैंक ने दसवीं बार रेपो दर को यथावत रखा है। जो फिलहाल साढ़े छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि आने वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक यदि उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई की फिक्र में थमे कदम हैं। बैंक का आकलन है कि यदि हम महंगाई की दर को अपने लक्ष्य चार फीसदी से कम लाने में कामयाब हो जाते हैं तो देश की विकास दर के ऊंचे लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। इतना ही नहीं, विकास दर दो अंकों का आंकड़ा छू सकती है। वैसे जिस तरह कोविड संकट से उबरती दुनिया को रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिम एशिया के संकट से जूझना पड़ रहा है, भारत उससे अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है। यह एक हकीकत है कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश मंदी के संकट से जूझ रहे हैं, भारत मंदी के दुष्प्रभाव से अर्थव्यवस्था को बचा पाया है। निस्संदेह, हमारी मौद्रिक नीतियां आर्थिकी को स्थायित्व प्रदान करने में किसी हद तक सफल रही हैं। यही वजह है कि संवेदनशील आर्थिकी के वैश्विक परिदृश्य में केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीतियों में बदलाव से परहेज किया है। निस्संदेह, भारत इस समय दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। इस स्थिति को बनाए रखने के लिये खासी सावधानी भी जरूरी है। लेकिन ऊंची रेपो दर का नुकसान देश के उन उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है, जो घर-वाहन लोन की ईएमआई कम होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हालांकि, देश के बुजुर्गों को बचत खाते में अधिक ब्याज मिलने से लाभ जरूर हो रहा है। लेकिन महंगाई का प्रभाव तो समाज के हर वर्ग पर पड़ रहा है। वहीं थोक व फुटकर की महंगाई के आंकड़े भले ही इसके कम होने की बात कर रहे हों, लेकिन व्यवहार में फल-सब्जी व खाद्य पदार्थों की महंगाई उपभोक्ताओं के बजट को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर कर्ज लेने वाले लोगों को बढ़ी किस्तें भी परेशान कर रही हैं। कारोबारी और कामकाजी लोग काफी समय से आस लगाए बैठे थे कि यदि रिजर्व बैंक रेपो दरों में कुछ कमी करता है तो ऋण सस्ते होने से उनके कर्ज की किस्त कुछ हल्की हो जाएगी। लेकिन महंगाई की चिंता कर रहा केंद्रीय बैंक ऐसे किसी कदम को उठाने से परहेज कर रहा है। लेकिन एक बात तो तय है कि महंगाई दर में कमी के दावों का अहसास आम आदमी को भी होना चाहिए। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि महंगाई के आंकड़ों पर काबू पाने का वास्तविक लाभ आम उपभोक्ता को कैसे और कब मिलेगा। कोशिश की जानी चाहिए कि त्योहार के मौसम में आम आदमी को दैनिक उपभोग की वस्तुएं मसलन खाद्यान्न, सब्जी-फल, डेरी उत्पाद व खाद्य तेल वाजिब दामों में मिलें। तभी महंगाई पर नियंत्रण के सरकारी दावे सिरे चढ़ सकेंगे।

देश दुनीया से

लोकतंत्र की कसौटी पर 'एक राष्ट्र, एक चुनाव'

गठबंधन सरकार के नेतृत्व के साथ– जल्द ही हरियाणा राज्य और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। जिसके पिछले सप्ताह घोषित परिणामों ने राजनेताओं और चुनाव विशेषज्ञों, दोनों को चौंका दिया। हरियाणा में मोदी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अप्रत्याशित जीत हासिल की, जहां पर उसकी हार की उम्मीद बताई जा रही थी। वहीं जम्मू-कश्मीर में विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने अपने क्षेत्रीय सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर जीत पाई, जबकि वहां पर चुनावों में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की गई थी।

भारतीय लोकतंत्र की गरिमा बचाने वाला एक अनुग्रह है- हालांकि कुछ लोगों के लिए यह भारत की सबसे अधिक परेशान करने वाली खामियों में एक होगा – कि व्यावहारिक रूप से यहां सदा कोई न कोई चुनाव चलता रहता है। इसलिए, पिछले आम चुनाव की गूंज जैसे ही खत्म हुई – जिसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पद पर तो बनाए रखा, लेकिन बहुमत के बिना और गठबंधन सरकार के नेतृत्व के साथ– जल्द ही हरियाणा राज्य और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। जिसके पिछले सप्ताह घोषित परिणामों ने राजनेताओं और चुनाव विशेषज्ञों, दोनों को चौंका दिया। हरियाणा में मोदी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अप्रत्याशित जीत हासिल की, जहां पर उसकी हार की उम्मीद बताई जा रही थी। वहीं जम्मू-कश्मीर में विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने अपने क्षेत्रीय सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर जीत पाई, जबकि वहां पर चुनावों में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की गई थी। जून के लोकसभा चुनाव में भी चुनाव पंडितों के कयास गलत निकले थे – उन्होंने भाजपा की तगड़ी जीत का अनुमान लगाया था – निश्चित रूप से भारत के मतदाता का अंदाज़ा पहले से नहीं लगाया जा सकता। अपेक्षाओं को धता बताने के और अधिक मौके भारतीय मतदाताओं को शीघ्र ही मिलने जा रहे हैं। साल खत्म होने से पहले और दो राज्यों -महाराष्ट्र और झारखंड – में चुनाव होने जा रहे हैं। उनके बाद नंबर दिल्ली का होगा, जिसके संकटग्रस्त मुख्यमंत्री ने हाल ही में इस्तीफा देकर समय से पहले चुनाव कराने की मांग की है (जो वैसे भी अगले मार्च तक होने हैं)। दूसरे शब्दों में, चुनाव एक साथ होने के बजाय – भारत के 28 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों में से हर कोई अपनी सरकारें चुनता है – भारत का यह चुनावी पंचांग अब बदलने की बात हो रही है। मोदी सरकार के लिए, यह सारी चुनाव से संबंधित अनिश्चितता बहुत दूर निकल चुकी है। वह चाहते हैं कि भारत एक निश्चित चुनावी कार्यक्रम स्थापित करे, जिसके अंतर्गत लोकसभा (संसद का निचला सदन), राज्यों की विधानसभाओं और स्थानीय निकायों, सभी के लिए हर पांच साल में एक ही तारीख को मतदान हो। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च-स्तरीय समिति ने हाल ही में इस दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए एक बृहद रिपोर्ट तैयार की, जिसे पीएम मोदी ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का नाम दिया है। चुनावों की बारम्बारता वास्तव में किसी राष्ट्रीय सरकार के लिए एक चुनौती है। मसलन, जहां राज्य व स्थानीय चुनावों में अधिकांशतः स्थानीय मुद्दे प्रभावी होते हैं और अक्सर इन्हें राष्ट्रीय सरकार पर एक प्रकार के जनमत संग्रह के रूप में देखा जाता है। दूसरी ओर, स्वतंत्र चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता के कारण चुनाव के दौरान शासन व्यवस्था ठप हो जाती है, ताकि कार्यकारी सरकार ऐसी नीतिगत घोषणाएं न करने पाए, जिससे कि मतदाता उनके पक्ष में मतदान करने के लिए प्रभावित हो। इसके अलावा, राष्ट्रीय नेता चुनाव वाले राज्यों में प्रचार करने में व्यस्त हो जाते हैं, जिनमें से प्रत्येक का अपना राजनीतिक इतिहास होता है और अक्सर, उनकी अपनी पार्टियां भी। पीएम मोदी और उनके गृह मंत्री अमित शाह अपने दस वर्षीय कार्यकाल के दौरान अंतहीन चुनावी अभियान में व्यस्त रहे, जिससे कि उनके अपने आधिकारिक कर्तव्यों के लिए बहुत कम समय बचा। प्रधानमंत्री मोदी की दलील है कि बार-बार चुनाव कराने से पैसा और समय दोनों बर्बाद होते हैं। हो सकता है उन्हें यह विचार भी आया होगा कि एक साथ चुनाव करवाने पर राष्ट्रीय पार्टियों और मुद्दों का फायदा राज्य चुनावों में मिल सकता है, ताकि राष्ट्र व्यापी चुनाव प्रचार में स्थानीय नेताओं और समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की संभावना कम ही रहे। विपक्ष इस प्रस्तावित सुधार को खारिज करता है, यह इंगित करते हुए कि सभी चुनाव एक साथ करवाने पर खर्च में जो भी मामूली बचत हो पाएगी, उसके बरक्स, चुनाव अभियानों में जिस प्रकार बड़े पैमाने पर पैसा लगाए जाने से आर्थिकी को प्रोत्साहन मिलता है, उससे वंचित होने का नुकसान होगा। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि यह प्रस्ताव भारत के संघीय स्वरूप और विविधता को कुचलने का मंसूबा दर्शाता है, जोकि मोदी के एकात्मकवाद के प्रति लगाव को कार्यकुशलता के रूप में पेश करता है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के साथ सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह अव्यावहारिक है, जिसको हम अपने अनुभवों से जानते हैं। स्वतंत्रता उपरांत, भारत ने एक ही तारीख पर चुनाव करवाने वाली व्यवस्था कायम की थी। लेकिन यह व्यवस्था 1952 से 1967 तक, केवल पंद्रह वर्षों तक चल पाई। इसकी वजह भारत की संसदीय प्रणाली के मूल में निहित हैः सरकारों के लिए विधायी बहुमत बनाए रखना जरूरी है। यदि कोई सरकार अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले बहुमत खो देती है, तो नए चुनाव होने चाहिए।

आप का नजरीया

दुर्भाग्यपूर्ण विवाद

गत एक वर्ष से अधिक समय से भारत तथा कनाडा के बीच जारी कड़वे विवाद का जो चरम हाल ही में देखने में आया है, वह दोनों देशों के दीर्घकालीन संबंधों के हित में कदापि नहीं कहा जा सकता है। निश्चय ही यह दोनों देशों के रिश्तों में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। अपने घरेलू राजनीतिक हितों को साधने के लिये जस्टिन ट्रूडो के हालिया तल्ख आरोपों के चलते ही भारत आलोचना- निंदा जैसे कदमों से कहीं और आगे निकल गया है। भारत की यह प्रतिक्रिया स्वाभाविक ही थी जब जून 2023 में कट्टरपंथी सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर, जिसे भारत ने आतंकवादी घोषित किया था, की हत्या में शीर्ष भारतीय राजनयिकों की संलिप्तता के आरोप कनाडा सरकार द्वारा लगाये गए। नई दिल्ली ने खुले तौर पर इस कटुता को पैदा करने में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की नकारात्मक भूमिका का आरोप लगाया है। जिसके मूल में उनका घरेलू राजनीतिक एजेंडा है। भारत सरकार ने उन पर आरोप लगाया है कि अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये तैयार घरेलू एजेंडे के तहत ही जस्टिन ट्रूडो भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपना रहे हैं। निश्चित रूप से इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम की परिणति के चलते राजनयिकों के निष्कासन ने दोनों देशों के संबंधों को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। यह निर्विवाद सत्य है कि पिछले एक साल से जारी इस विवाद को सुलझाने में कनाडा की तरफ से संयम दिखाने के प्रयास ना के बराबर ही हुए हैं। जिसकी जवाबदेही जस्टिन ट्रूडो को ही स्वीकारनी होगी। दरअसल, कनाडा में अल्पमत सरकार चला रहे जस्टिन ट्रूडो लगभग नौ वर्ष के कार्यकाल के दौरान अपने घर में लगातार अलोकप्रिय होते जा रहे हैं। यहां तक कि उनके अपने राजनीतिक दल लिबरल पार्टी में उनका मुखर विरोध हो रहा है। इसके चलते पार्टी के भीतर पद छोड़ने को लेकर लगातार दबाव बढ़ रहा है। जो उनकी अपरिपक्व राजनीति का ही पर्याय कहा जा सकता है। दरअसल, अपनी सत्ता को डांवाडोल होते देख, कनाडा के लोगों का ध्यान हटाने के लिये ट्रूडो इस तरह के अप्रिय विवादों को हवा दे रहे हैं। आरोप लगाया जा रहा है कि सत्ता पर कब्जा बनाये रखने के लिये ट्रूडो सिख चरमपंथी तत्वों का तुष्टीकरण करने हेतु इस तरह के आरोपों को हवा दे रहे हैं। निश्चय ही भारत पर इस तरह के आरोप, राजनीतिक आकांक्षाओं के चलते लगाने से भारत के साथ कनाडा के संबंधों को जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई करना अगले कुछ वर्षों में संभव नहीं हो सकेगा। निस्संदेह इस घटनाक्रम ने राजनयिक संकट को और गहरा किया है। इसमें दो राय नहीं कि भारत कनाडा सरकार द्वारा लगातार अलगाववादियों को समर्थन देने पर चिंता व्यक्त करता रहा है। लेकिन अपनी सरकार बचाने में जुटे जस्टिन ट्रूडो ने भारत की मांग को कभी भी गंभीरता से नहीं लिया है। जो मामला अब लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। यह अजीब बात है कि कनाडा सरकार सिख अलगाववादियों को निशाना बनाने के लिये आपराधिक नेटवर्क चलाने का आरोप लगा रही है। हालांकि, भारत विगत में ओटावा से भारतीय मूल के गैंगस्टरों पर लगाम लगाने के लिये कहता रहा है। बहरहाल, आक्रामक राजनीति का यह रवैया भारत-कनाडा के संबंधों को लगातार खतरे में डाल रहा है।

कांग्रेस प्रदेश कोऑर्डिनेशन समिति की बैठक आज

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में 13 नवंबर को सात विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले विधानसभा उप चुनाव की तैयारी के लिए सोमवार बारह बजे राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी वार रूम पर प्रदेश कोऑर्डिनेशन समिति की बैठक आयोजित होगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश कोआर्डिनेशन समिति की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट, भंवर जितेंद्र सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व राजस्थान सह प्रभारी चिरंजी राव, रित्विक मकवाना, पूनम पासवान शामिल रहेंगे। बैठक में 13 नवंबर को प्रदेश में होने वाले विधानसभा उप चुनावों की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण रणनीति तैयार की जाएगी तथा चुनावों में कांग्रेस की विजय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।

हरियाणा को नंबर वन राज्य बनाने का सरकार करेगी प्रयास : राजेश नागर

फरीदाबाद पहुंचने पर राज्य मंत्री राजेश नागर का हुआ भव्य स्वागत

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राजेश नागर का आज रविवार को बदरपुर बॉर्डर पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत रोड शो बदरपुर बॉर्डर से होते हुए सराय मार्किट, गांव एतमादपुर, वजीरपुर स्थितड्रीम लैंड 24 वैंक्वेट हाल, भतौला, फरीदपुर, सद्पुरा और तिगांव पंहुचा जगह जगह आमजन द्वारा फूल मालाओं और पुष्प वर्षा द्वारा राज्य मंत्री राजेश नागर का स्वागत किया। राज्यमंत्री राजेश नागर ने प्रदेशवासियों का तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आमजन ने जो विशवास भाजपा सरकार में दिखाया है उस विश्वास पर मैं हमेशा खरा उतरूंगा। उन्होंने कहा कि जो भी विकास कार्य रह गए है उन पर जल्द से जल्द कार्य शुरू करवा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को अतिशीघ्र कराने के लिए अधिकारियों के साथ मीटिंग तय कर दी गयी है और जो भी अधिकारी समयानुसार कार्य नहीं करेगा उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रदेश सरकार विकसित और मॉर्डन हरियाणा के विजन को लेकर एक रोडमैप तैयार करेगी। इसके लिए प्रदेश के हर नागरिक को साथ लेकर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पारदर्शिता और ईमानदारी तथा नेक नीति को लेकर हर वर्ग के लिए जनकल्याणकारी नीतियां लागू करेगी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार प्रदेश के हर वर्ग को साथ लेकर चलेगी व समाज के अंतिम व्यक्ति को लेकर जनकल्याणकारी नीतियों को अमलीजामा पहनाएगी। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, टेक चंद शर्मा सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और कई गावों की सरदारी उपस्तिथ रही।

पंजाब उपचुनाव : आम आदमी पार्टी ने चारों विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों का किया एलान

चंडीगढ़ (हिंस)। आम आदमी पार्टी ने पंजाब की चार विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। पार्टी ने एक पुराने उम्मीदवार को चुनाव मैदान में उतारा है जबकि तीन अन्य सीटों पर नए चेहरों पर दांव लगाया गया है। पंजाब की इन चारों सीटों के विधायक अब सांसद बन गए हैं। उन्होंने विधानसभा से इस्तीफा भी दे दिया है। बरनाला से विधायक रहे गुरमीत सिंह मीत हेयर अब संगरूर से सांसद हैं। वहीं, गिद्दड़बाहा से विधायक रहे अमरिंदर सिंह राजा वडिंग अब लुधियाना से सांसद हैं। राजकुमार चब्बेवाल चब्बेवाल विधानसभा से विधायक थे। अब वह होशियारपुर से सांसद चुन लिए गए हैं। वहीं, डेरा बाबा नानक से विधायक रहे सुखजिंदर सिंह रंधावा अब गुरदासपुर से सांसद बन गए हैं। रविवार को जारी की गई सूची के अनुसार मुक्तसर जिले की गिद्दड़बाहा सीट से हरदीप सिंह डिंपी ढिल्लो को टिकट दिया गया है। ढिल्लो पहले अकाली दल में थे और सुखबीर बादल के करीबियों में से एक थे। उपचुनाव में टिकट कटने की संभावना देख उन्होंने आम आदमी पार्टी जॉइन कर ली थी। होशियारपुर की चब्बेवाल सीट से इशान चब्बेवाल को टिकट दिया गया है। इशान के पिता डॉ. राजकुमार चब्बेवाल होशियारपुर लोकसभा सीट से सांसद हैं। 2022 में चब्बेवाल ने ही यहां से विधानसभा चुनाव जीता था। वह कांग्रेस विधायक दल के उपनेता भी रहे। लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने पार्टी बदल ली और आम आदमी पार्टी में चले गए। बरनाला से हरिंदर सिंह धालीवाल को टिकट दिया गया है। 2022 में इस सीट पर आम आदमी पार्टी के गुरमीत मीत हेयर जीते थे। मीत हेयर के सांसद बनने से यह सीट खाली हुई है। हरिंदर बरनाला जिले के गांव छीनीवाल से हैं। वह किसान परिवार से हैं। उनके पिता पशु चिकित्सा विभाग से सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। मीत हेयर और हरिंदर सिंह स्कूल के समय से दोस्त हैं। डेरा बाबा नानक से गुरदीप सिंह रंधावा को दोबारा टिकट दी गई है। 2022 के चुनाव में यहां से कांग्रेस के उम्मीदवार सुखजिंदर रंधावा से महज 466 वोटों से हारे थे। सुखजिंदर रंधावा ने 2024 में गुरदासपुर सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा। जिस वजह से यह सीट खाली हो गई।

पुणे-जोधपुर फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

जोधपुर (हिंस)। पुणे से जोधपुर आने वाली इंडिगो की फ्लाइट को ई-मेल पर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद एयरपोर्ट पर विमान की तलाशी ली जा रही है। पुलिस और सीआईएसएफ के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर यात्रियों के सामान की जांच की है। मौके पर डॉग स्क्वायड, दमकल की टीमें भी पहुंची। जानकारी के अनुसार, एयरपोर्ट अथॉरिटी को इंडिगो की फ्लाइट 6133 को बम से उड़ाने का ई-मेल आया था। इसके बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एयरपोर्ट थाने को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची व पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। फ्लाइट में करीब 100 यात्री सवार हैं। इसकी सूचना मिलने के बाद तुरंत ही फ्लाइट को आइसोलेशन-वे में लैंड करवाया गया। धमकी मिलने के बाद एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। यात्रियों के सामान की भी तलाशी ली गई। अभी तक कोई बम जैसी वस्तु नहीं मिली है। ये एक मॉक ड्रिल भी हो सकती है। यह फ्लाइट पुणे से 11:50 पर रवाना हुई थी और दोपहर 1:07 पर जोधपुर एयरपोर्ट पर लैंड हुई थी।

बच्चों ने राष्ट्र सेविका समिति की बहनों के हाथों पर लगाई मेंहदी

मुरादाबाद (हिंस)। सेवा भारती द्वारा संचालित बाल विकास विद्यालय की छात्राओं द्वारा रविवार को करवा चौथ के अवसर पर गांधीनगर पार्क स्थित मंदिर पार्क सेवा भारती की बहनों को मेंहदी लगाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें महिलाओं के हाथों पर सुंदर-सुंदर मेंहदी लगाई गई। अध्यापिका सुमन और इंद्रेश ने बच्चों का सहयोग किया। इस मौके पर लगभग 50 से ज्यादा महिलाओं के हाथों पर मेंहदी लगाई गई। क्रार्यकम संयोजिका व राष्ट्र सेविका समिति की नगर कार्यवाहिका शिखा जैन व महानगर बौद्धिक प्रमुख डॉ. संगीता मित्रा ने बताया कि सेवा भारती बाल विकास विद्यालय के बच्चों द्वारा दीपावली त्योहार के शुभ अवसर पर सुंदर, मनमोहक विभिन्न रंगों से सजे हुए मिट्टी के दीपक तैयार किए जाते हैं। मेंहदी लगवाने आाई महिलाओं ने बच्चों की प्रतिभा को सराहा और उनसे समान भी खरीदा। मेंहदी का सफल आयोजन गीत, संगीत, नृत्य, अंताक्षरी के साथ संपन्न हुआ।

महागठबंधन ने बिहार की चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में उतारे उम्मीदवार

पटना (हिंस)। बिहार में होने वाले चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में महागठबंधन ने आज राजद प्रदेश कार्यालय में महागठबंधन की साझा पत्रकार वार्ता में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने उम्मीदवारों का एलान किया। राजद प्रदेश कार्यालय में महागठबंधन के नेताओं की मौजूदगी में जगदानंद सिंह ने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की। इमामगंज सीट से रोशन कुमार माझी उर्फ राजेश मांझी महागठबंधन के साझा उम्मीदवार होंगे। बेलागंज से विश्वनाथ कुमार सिंह, रामगढ़ से जगदानंद सिंह के छोटे बेटे अजीत कुमार सिंह और तरारी विधानसभा सीट से राजू यादव महागठबंधन के उम्मीदवार होंगे। चार में से तीन सीटों पर राजद ने उम्मीदवार उतारे हैं जबकि एक सीट माले के खाते में गई है। बेलागंज, रामगढ़ और इमामगंज सीट से राजद उम्मीदवार महागठबंधन के साझा उम्मीदवार होंगे जबकि तरारी की सीट माले को मिली है। तरारी सीट से माले उम्मीदवार राजू यादव महागठबंधन के साझा उम्मीदवार बनाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि देशभर के 13 राज्यों की कुल 48 सीटों पर उपचुनाव होने हैं, जिसमें बिहार की चार सीटें भी शामिल हैं। चारों सीटों पर हो रहे उपचुनाव को विधानसभा चुनाव के सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है। यह उपचुनाव दोनों गठबंधनों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। दोनों गठबंधन की तरफ से चुनाव में जीत दर्ज करने के लिए रणनीति तय की जा रही है। लोकसभा चुनाव के बाद खाली हुई तरारी, रामगढ़, बेलागंज और इमामगंज सीट पर 13 नवंबर को मतदान होगा जबकि 23 नम्बर को नतीजे आएंगे। रामगढ़ में राजद के सुधाकर सिंह, तरारी में सीपीआई माले के सुदामा प्रसाद, बेलागंज में राजद के सुरेंद्र यादव और इमामगंज में हम के जीतन राम मांझी के सांसद बनने के बाद ये चारों सीटें खाली हुई हैं।

हिंदूवादी नेता पर हुआ जानलेवा हमला, मॉर्निंग वॉक के दौरान हमलावरों ने दिया वारदात को अंजाम

बिजनौर (हिंस)। झालू में मॉर्निंग वॉक पर निकले हिंदूवादी नेता पर जानलेवा हमला कर दिया गया। धारदार हथियार से हमले के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने दो लोगों को नामजद करते हुए चार के खिलाफ तहरीर दी है। हल्दौर थाना क्षेत्र के कस्बा झालू में छतरी वाला कुआं के पास रहने वाले चौधरी ज्ञानेश्वर सिंह दशकों से हिंदू राजनीति में सक्रिय है। वह विभिन्न हिंदू संगठनों में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। बताया जाता है कि प्रतिदिन की तरह वह रविवार सुबह साइकिल से मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। सुबह करीब 6 बजे जब वे झालू से गोलबाग के बीच स्थित गौशाला के सामने पहुंचे तो आरोप है कि दो बाइकों पर सवार चार युवकों ने उन्हें घेर लिया। ज्ञानेश्वर चौधरी के अनुसार उनमें से एक ने डंडे से हाथ पर हमला किया, जबकि दूसरे ने सिर पर कोई धारदार हथियार से वार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद चारों हमलावर अपनी बाइकों समेत खेतों के रास्ते से फरार हो गए। लहूलुहान हालत में किसी तरह ज्ञानेश्वर चौधरी झालू पुलिस चौकी पहुंचे और उन्होंने पुलिस को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने उनके परिजनों को इस संबंध में अवगत कराया। गंभीर रूप से घायल होने के कारण ज्ञानेश्वर चौधरी को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने झालू के ही दो लोगों को नामजद करते हुए चार के खिलाफ थाना पुलिस को तहरीर दी है।

पंजाब पुलिस ने बंबीहा-कौशल गैंग के पांच सदस्य पकड़े, नौ हथियार बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने बंबीहा-कौशल गिरोह के पांच मुख्य सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से कुल 9 हथियार, जिनमें आठ पिस्तौल और एक रिवॉल्वर शामिल है। साथ ही 15 जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि पकड़े गए बदमाशों की पहचान जालंधर के गांव बोपाराय कलां निवासी जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सा, होशियारपुर के गांव गराज महिदूद के हर्षदीप सिंह, तरनतारन के गांव मुरादपुर निवासी शेखर, न्यू मॉडल हाउस, जालंधर के गगनदीप सिंह उर्फ गिन्नी बाजवा और जालंधर के गांव बंबियांवाल के अमित सहोता के रूप में हुई है। आरोपी पंजाब के कई जिलों में फिरौती, हत्या और हथियारों की तस्करी सहित कई गंभीर अपराधों में शामिल थे। उन्होंने बताया कि इन आरोपितों के खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं। डीजीपी ने बताया कि गिरोह को पूरी तरह खत्म करने के लिए उनके व्यापक नेटवर्क का पर्दाफाश करने और उनके संपर्कों की जांच के लिए आगे की जांच जारी है। ऑपरेशन के संबंध में विवरण साझा करते हुए जालंधर के पुलिस कमिश्नर (सीपी) स्वप्न शर्मा ने बताया कि विश्वसनीय सूत्रों से पुख्ता जानकारी मिली थी कि बंबीहा-कौशल गिरोह के सदस्य राज्य में बड़ी आपराधिक गतिविधि की योजना बना रहे हैं। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने बीएसएफ चौक में नाका लगाया और तीन आरोपितों जसप्रीत जस्सा, हर्षदीप और शेखर को 6 हथियारों सहित गिरफ्तार कर लिया। बाद में इस गिरोह के दो और सदस्य गगनदीप गिन्नी और अमित सहोता को तीन हथियारों सहित भारगो कैंप के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि आगे पूछताछ जारी है तथा और गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है।

अपराध की कोई जगह नहीं, जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करे जिला प्रशासन : सांसद

अररिया (हिंस)। अररिया के मारवाड़ी पट्टी स्थित जैन धर्मशाला के समीप शनिवार की रात दवा कारोबारी दीपक भगत की दुकान में घुसकर की गई हत्या के खिलाफ सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। गणपति दवा एजेंसी के मालिक दीपक भगत की हत्या पर सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने जिला पुलिस महकमे को अपराध पर जल्द से जल्द रोक लगाने की सख्त हिदायत दी। शनिवार देर रात सांसद ने घटनास्थल पर जाकर हत्या की सघन जांच कर रहे पुलिसकर्मियों को जल्द से जल्द सटीक और सही जांच करने का दिशा निर्देश दिया, उन्होंने कहा कि विगत 20 वर्षों में ऐसी ह्रदय विदारक घटना अररिया नगर में घटित नहीं हुई थी। इस तरह के अपराध की अररिया में कोई जगह नहीं है। इस संदर्भ में सांसद ने फोन पर जिला पुलिस अधीक्षक से बात कर अररिया को इस तरह बदनाम करने वालों के खिलाफ सख्ती से पेश आने एवं तत्काल प्रभाव से अगले 24 घंटे में इस हत्या के दोषियों को हिरासत में लेने का निर्देश दिया। सांसद ने कहा कि इस घटना से शहर के व्यापारी भाइयों के साथ आम जनमानस में भय व्याप्त है। जिला को अपराध मुक्त बनाने के लिए जिला शासन-प्रशासन को मैं अपना पूर्ण सहयोग देने हेतु तैयार हूं। प्रशासन द्वारा जिले में जल्द से जल्द अवैध नशीली पदार्थों की खरीद बिक्री पर रोक लगाने की आवश्यकता है, क्योंकि इन दिनों बढ़ते अपराध की वजह नशे का बढ़ता कारोबार है। उल्लेखनीय हो कि शहर के मारवाड़ी पट्टी में दो बाइक पर सवार चार अज्ञात बदमाशों ने शनिवार की देर रात गणपति इंटरप्राइजेज नामक दवा दुकान में घुसकर दुकानदार की गोली मार कर हत्या कर दी थी। बदमाशों की गोली से दुकानदार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश बाइक पर सवार होकर निकल भागे थे। गणपति इंटरप्राइजेज दुकान के मालिक दीपक कुमार को बदमाशों ने गोली मारी। घटना के बाद परिजन और स्थानीय लोग दुकानदार को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे, लेकिन इन ड्यूटी चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान पहले ही मौत हो जाने की जानकारी दी थी। जिसके बाद अस्पताल परिसर रुदन क्रंदन के चीत्कार से गूंज उठा। घटना पर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने भी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए 24 घंटे के भीतर बदमाशों की शिनाख्त कर गिरफ्तारी की मांग की।

शाहपुरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भव्य पथ संचलन

भीलवाड़ा (हिंस)। शाहपुरा तहसील में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा रविवार को पथ संचलन का आयोजन किया गया, जिसमें 700 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शहर के मुख्य मार्गों को आकर्षक ढंग से सजाया गया और जगह-जगह पुष्पवर्षा कर संघ के स्वयंसेवकों का स्वागत किया गया। पथ संचलन का शुभारंभ शाहपुरा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से हुआ। संचलन का मार्ग शहर के बस स्टैंड, वेलकम होटल, कलिंजरी गेट, फुलिया गेट, मुख्य बाजार और अन्य प्रमुख स्थलों से होकर गुजरा। इसके बाद संचलन वापस राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में समाप्त हुआ। पथ संचलन के दौरान रामनिवास धाम, त्रिमूर्ति स्मारक, और बालाजी की छतरी जैसे प्रमुख स्थलों पर शहरवासियों ने पुष्पवर्षा कर संघ के स्वयंसेवकों का स्वागत किया। इस आयोजन को लेकर शहर में विशेष उत्साह देखा गया। मुख्य बाजार में संचलन के मार्ग पर कारपेट बिछाए गए और जगह-जगह तोरण द्वार लगाए गए, जिससे पूरे शहर में उत्सव का माहौल बना रहा। संचलन में शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा, नगर परिषद सभापति रघुनंदन सोनी, भाजपा नगर अध्यक्ष राजेंद्र बोहरा, सहित कई जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। कार्यक्रम के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। शाहपुरा पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस बल के साथ सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की थी। एएसपी राजेश आर्य की अगुवाई में शाहपुरा और आसपास के थानों का पुलिस जाब्ता भी तैनात रहा। नगर परिषद शाहपुरा ने भी आयोजन को सफल बनाने के लिए शहर में सजावट और अन्य व्यवस्थाएं कीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर संचालक कन्हैयालाल वर्मा ने बताया कि संचलन का मार्ग शहर के विभिन्न हिस्सों से होकर गुजरा और इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सुहागिनों ने पति की दीर्घायु के लिए रखा करवाचौथ का व्रत

गुरुग्राम (हिंस)। पति की दीर्घायु के लिए सुहागिनों महिलाओं ने रविवार को करवाचौथ का व्रत रखा। रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर महिलाओं ने भगवान शिव-पार्वती, कार्तिकेय, गणेश का पूजन किया। कहानी सुनी। रात को चंद्रमा को अर्ध्य देकर व्रत खोला। आधुनिकता के इस दौर और बदलते परिवेश में करवाचौथ का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। अब युवतियां भी सुयोग्य वर पाने के लिए करवाचौथ का व्रत रखती हैं। युवतियों ने भी करवाचौथ का व्रत रखकर सुयोग्य पाने की कामना की। परिवार की बुजुर्ग महिलाओं ने विवाहित महिलाओं को करवाचौथ की कथा सुनाई और उन्हें सौभाग्यवती रहने का आशीर्वाद भी दिया। चंद्रमा को अर्ध्य देकर सुहागिनों ने अपना व्रत खोलकर बड़े-बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया। करवाचौथ की तैयारियों में कई दिनों से बाजार सजे थे। महिलाएं खरीदारी कर रही थी। मेहंदी व अन्य सजावट के सामान की खूब बिक्री हुई। बाजारों में करवाचौथ के दिन भी खूब भीड़ रही। करवाचौथ पर्व पर मेहंदी लगाने वालों ने भी खूब चांदी कूटी। 1000 रुपए से लेकर 8 हजार रुपए तक यहां बाजारों में मेहंदी लगाई गई। डिजायन के हिसाब से भी मेहंदी लगाने वालों ने पैसे लिए। खास बात यह रही कि मेहंदी लगाने के लिए एडवांस बुकिंग महिलाओं को करानी पड़ी। करवाचौथ की पूर्व संध्या पर पूरी रात सदर बाजार में महिलाओं ने मेहंदी लगवाई। बुकिंग के दौरान दिए गए समय के हिसाब से ही महिलाएं अपने पति व परिवारजनों के साथ मेहंदी लगवाने पहुंची।

करवा चौथ पर पति की गुहार मेरी पत्नी शराबी है, मुझे बचा लो

परामर्श केंद्र में गिले शिकवे के बाद हुआ समझौता

झांसी (हिंस)। करवा चौथ पर महानगर के महिला थाने में एक अजब-गजब मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने परामर्श केंद्र में मदद की गुहार लगाते हुए अपनी पत्नी से बचाने की प्रार्थना की। पति-पत्नी का झगड़ा जब परामर्श केंद्र में पहुंचा तो काउंसलर ने इसकी वजह जाननी चाही। इस पर पति ने काउंसलर को बताया कि उसकी बीवी शराब पीती है। इस वजह से अक्सर घर में झगड़ा होता है। पति का आरोप है कि कई बार तो उसे भी पत्नी जबरन नशे में टल्ली कर देती है। इस वजह से वह पत्नी को मायके छोड़ आया था। पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने पति-पत्नी के बीच के झगड़े को परिवार परामर्श केंद्र में भेज दिया। परिवार परामर्श के काउंसलर के मुताबिक जब दोनों पति-पत्नी की काउंसिलिंग हुई तो दोनों के बीच मौके पर ही कहा-सुनी होने लगी। पति का आरोप था कि शाम होते ही उसकी पत्नी शराब पीने लगती है। इसके साथ ही उसे भी जबरदस्ती शराब पिलाकर नशे में कर देती है। वह रोज-रोज इस महंगाई में पत्नी को शराब नहीं पिला सकता। पत्नी दारु पीने के लिए रोज जबरदस्ती करती है। पति ने आरोप लगाया है कि पत्नी एक बार में तीन से चार पैग पीती है जबकि उसे शराब पीना बिल्कुल पसंद नहीं है। वहीं, दूसरी तरफ पत्नी ने सभी आरोपों को स्वीकार कर लिया। वीरांगना नगर में रहने वाली पत्नी सरला (काल्पनिक नाम) ने आरोप लगाया था कि उसके पति ने मारपीट कर उसे घर से बाहर निकाल दिया है। अब वह मायके में रह रही है। इसकी उसने पुलिस में शिकायत की थी। इसके बाद पति को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया। पति ने बताया कि दो महीने पहले उसकी शादी हुई थी। पहली ही बार में पत्नी ने शराब पीने की बात कही। इसके बाद हर रोज शराब पीने लगी और उसे भी जबरदस्ती पिलाने लगी। वह पत्नी की शराब पीने की आदत से बेहद परेशान हो गया और मजबूरी में मायके छोड़ आया था। इस मामले में महिला थानाध्यक्ष किरन रावत ने बताया कि काउंसलर व टीम ने पति-पत्नी व उनके परिजनों को समझाया। दोनों के गिले-शिकवे सुने। इसके बाद पति-पत्नी साथ में रहने को तैयार हो गए हैं।

करवा चौथ पर 22,000 करोड़ की बिक्री होने का अनुमान : सीएआईटी

नई दिल्ली । भारत में इस बार करवा चौथ 20 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (सीएआईटी) ने कहा कि करवा चौथ के मौके पर दिल्ली एवं देश के बाजारों में लगभग 22 हजार करोड़ रुपए का कारोबार होने की उम्मीद है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 46 प्रतिशत अधिक होगा।

पिछले वर्ष यह आंकड़ा लगभग 15 हजार करोड़ रुपए से अधिक का था। पिछले 2 दिनों से कुछ समय से देश के बाजारों में इस पर्व की खरीदारी को लेकर जोश बना हुआ है।

कपड़ों, ज्वैलरी से लेकर श्रृंगार-कॉस्मैटिक का सामान, गिफ्ट आइटम्स, पूजा के आइटम्स की जमकर शॉपिंग की जा रही है। इसके लिए दिल्ली समेत देश भर के बाजारों में खूब भीड़ दिखाई दे रही है। इस त्यौहारों के लिए लोग काफी खरीदारी कर रहे हैं।

इस साल बाजारों में पिछले साल के मुकाबले रौनक भी ज्यादा दिखाई दे रही है। अगस्त में जन्माष्टमी के त्यौहार पर 25,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार हुआ। व्यापारियों के सबसे बड़े संगठन के अनुसार विकासशील अर्थव्यवस्था में ज्यादा बिक्री कारोबार मजबूत उपभोक्ता खर्च को दर्शाता है, जो त्यौहारों के दौरान बढ़ जाता है। सीएआईटी को इस वर्ष त्यौहारी सीजन की बढ़ी हुई अवधि के कारण 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री की उम्मीद है।

देश में त्यौहारी सीजन 19 अगस्त को रक्षा बंधन के साथ शुरू हुआ और तुलसी विवाह के दिन 15 नवंबर तक चलेगा।

न्यूज ब्रीफ

खुदरा विक्रेताओं को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत तक कटौती की गई, चार से छह रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ सकते हैं सीएनजी के भाव

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने शहरी खुदरा विक्रेताओं को सस्ती घरेलू प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत तक कटौती की है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक ऐसे में यदि ईंधन पर उत्पाद शुल्क की कटौती नहीं होती है, तो वाहनों को आपूर्ति की जाने वाली सीएनजी के भाव चार से छह रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ सकते हैं। भारत में अरब सागर से लेकर बंगाल की खाड़ी तक के स्थलों से जमीन के नीचे और समुद्र तल के नीचे से निकाली गई प्राकृतिक गैस ऐसा कच्चा माल है जिसे वाहनों के लिए सीएनजी और रसोई में इस्तेमाल होने वाली पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) में बदला जाता है। सूत्रों ने कहा कि पुराने क्षेत्रों से उत्पादन की कीमतें सरकार द्वारा नियंत्रित की जाती हैं। इनका उपयोग शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को किया जाता है। इन क्षेत्रों से उत्पादन सालाना पांच प्रतिशत तक घट रहा है। इस वजह से शहरी गैस वितरण कंपनियों को आपूर्ति में कटौती की गई है। घरों में रसोई के लिए आपूर्ति की जाने वाली गैस संरक्षित है। ऐसे में सरकार ने सीएनजी के लिए कच्चे माल की आपूर्ति में कटौती की है। पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस मई, 2023 में सीएनजी की 90 प्रतिशत मांग को पूरा करती थी और इसमें लगातार गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा कि 16 अक्टूबर से आपूर्ति में कटौती कर सीएनजी की मांग का सिर्फ 50.75 प्रतिशत कर दिया गया है, जो इससे पिछले महीने 67.74 प्रतिशत था। शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को इस कमी की भरपाई के लिए आयातित और महंगी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे सीएनजी की कीमतों में 4-6 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी होगी। पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस की कीमत 6.50 अमेरिकी डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) है, जबकि आयातित एलएनजी की कीमत 11-12 डॉलर प्रति इकाई है।सूत्रों ने कहा कि फिलहाल खुदरा विक्रेताओं ने सीएनजी की दरें नहीं बढ़ाई हैं क्योंकि वे इसके समाधान के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ बातचीत कर रहे हैं। एक विकल्प यह है कि सरकार सीएनजी पर उत्पाद शुल्क में कटौती करे। वर्तमान में, केंद्र सरकार सीएनजी पर 14 प्रतिशत उत्पाद शुल्क वसूलती है, जो 14-15 रुपये प्रति किलोग्राम बैठता है। उन्होंने कहा कि अगर इसमें कटौती की जाती है, तो खुदरा विक्रेताओं को बढ़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डालना पड़ेगा।

डिज्नी प्लस हॉटस्टार में जियोसिनेमा का होगा मर्जर

मुंबई । मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो ने डिज्नी हॉटस्टार को खरीद लिया है। इसके बाद कंपनी डिज्नी प्लस हॉटस्टार में जियोसिनेमा का मर्जर हो जाएगा। डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ जियोसिनेमा का मर्जर होने के बाद यह भारत के सबसे बड़ा ओटीटी प्लेटफॉर्म बन सकता है, क्योंकि दोनों ओटोटी ऐप के पास बड़ा यूजरबेस मौजूद है। इस मर्जर के बाद जियो के पास जियो के पास कुल 100 चैनल हो सकते हैं। रिलायंस जियो दो अलग-अलग ओटीपी ऐप्स नहीं चलाना चाहती हैं क्योंकि अलग-अलग ओटीटी ऐप के लिए अलग रिचार्ज पैक की जरूरत होती है। दोनों दोनों ऐप का अलग से प्रमोशन करना होगा। इससे ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे। स्टार इंडिया और वियाकॉम 18 का मर्जर हो गया है। इसके बाद डिज्नी हॉटस्टार सिंगल स्ट्रीमिंग ऐप रह जाएगा। एक रिपोर्ट की मानें, तो जियो को डिज्नी हॉटस्टार की टेक्नोलॉजी ज्यादा पसंद है। यही वजह है कि जियो अपने पॉपुलर ओटीटी ऐप्स जियोसिनेमा को डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ जोड़ना चाहती है।

दीपम ने अधिकारियों से कहा, सार्वजनिक कंपनियों के शेयरों में कारोबार करने से बचें

नई दिल्ली । निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने अपने अधिकारियों से कहा है कि वह सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में कारोबार से बचें। दीपम ने यह सलाह इसलिए दी है क्योंकि उसके अधिकारियों के पास सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के बारे में बाजार की दृष्टि से संवेदनशील जानकारी हो सकती है। एक आंतरिक आदेश में दीपम ने कहा कि विभाग में शामिल होने वाले किसी भी अधिकारी को सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में अपनी हिस्सेदारी घोषित करनी होगी और ऐसे शेयरों को संबंधित अधिकारी द्वारा विभाग से मंजूरी के बाद ही बेचा जा सकता है।

कंपनियों के नतीजों, वैश्विक रुझान से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली । इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा कि सप्ताह के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। एक वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों पर सभी की नजर रहेगी। इसके अलावा इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की वजह से भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ने की आशंका है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है तथा बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अभी तक भारतीय बाजार के प्रदर्शन में प्रमुख भूमिका निभाते रहे हैं। उनका रुख वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और घरेलू राजनीतिक घटनाक्रम पर निर्भर करेगा। एचडीएफसी बैंक का सितंबर तिमाही का मुनाफा छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 17,825.91 करोड़ रुपये रहा है। एकल आधार पर निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक का लाभ सितंबर तिमाही में बढ़कर 16,820.97 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 15,976.11 करोड़ रुपये था।

बाजार विश्लेषकों ने कहा कि किसी भी प्रमुख संकेतक के अभाव में बाजार भागीदारों की निगाह कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी। सबसे पहले वे एचडीएफसी बैंक और कोटक बैंक जैसे बड़े बैंकों के परिणामों पर प्रतिक्रिया देंगे।

उन्होंने बताया कि इसके बाद आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) और अल्ट्राटेक सीमेंट जैसी कंपनियां भी अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। इसके अलावा सप्ताह के दौरान बजाज हाउसिंग फाइनेंस, अदाणी ग्रीन एनर्जी, बजाज फाइनेंस, वन97 कम्युनिकेशंस, जोमैटो, बजाज फिनसर्व और बैंक ऑफ बड़ौदा के भी तिमाही नतीजे आएंगे। कोटक महिंद्रा बैंक का सितंबर तिमाही का मुनाफा 13 प्रतिशत बढ़ा है। सितंबर तिमाही में बैंक का मुनाफा 5,044 करोड़ रुपये रहा है।

एकल आधार पर तिमाही के दौरान बैंक का लाभ पांच प्रतिशत बढ़कर 3,344 करोड़ रुपये रहा है। भू-राजनीतिक अनिश्चितता, चीनी अर्थव्यवस्था में सुस्ती और घरेलू बाजारों से लगातार एफआईआई की निकासी के कारण निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं। पिछले सप्ताह विदेशी कोषों की भारी निकासी से घरेलू बाजार में गिरावट आई। विश्लेषकों का कहना है कि एफआईआई की बिकवाली और डीआईआई (घरेलू संस्थागत निवेशकों) की खरीद का रुझान निकट भविष्य में बरकरार रहने की संभावना है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली की वजह भारत में ऊंचा मूल्यांकन और चीन के शेयरों का सस्ता मूल्यांकन है।

मेटा के बाद अब नोकिया ने की 2000 कर्मचारियों की छंटनी

मुंबई । मेटा के बाद अब नोकिया ने भी ग्रेटर चीन क्षेत्र में लगभग 2000 कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। यह संख्या कंपनी के कुल वर्कफोर्स का करीब पांचवां हिस्सा है और इसका उद्देश्य लागत में कटौती करना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नोकिया यूरोप में भी 350 कर्मचारियों को निकालने की योजना बना रही है। नोकिया के बीजिंग और शंघाई के साथ-साथ हांगकांग और ताइवान में कई ऑफिस हैं, जो कंपनी के ग्रेटर चीन क्षेत्र का हिस्सा हैं और जहां से यह चाइना मोबाइल जैसे क्लाइंट्स को सेवाएं देती है। नोकिया ने पहले ही घोषणा की थी कि वह 2026 तक 80 करोड़ यूरो से लेकर 1.2 अरब यूरो के बीच बचत करने के लिए 14,000 नौकरियों में कटौती करेगी। यह छंटनी उसी योजना का हिस्सा है। नोकिया के प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि यूरोप में 350 कर्मचारियों की छंटनी को लेकर कंसल्टेशन शुरू हो गया है लेकिन ग्रेटर चीन में हुई छंटनी पर कोई टिप्पणी नहीं की। कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर 2023 तक नोकिया के पास ग्रेटर चीन में 10,400 और यूरोप में 37,400 कर्मचारी थे। जब नोकिया ने पिछले साल नौकरी में कटौती की घोषणा की थी, तो उसके कुल कर्मचारी 86,000 के आसपास थे। कंपनी का लक्ष्य 2026 तक इस संख्या को घटाकर 72,000 से 77,000 के बीच करना है। वर्तमान में नोकिया के पास लगभग 78,500 कर्मचारी हैं। नोकिया के लिए कभी चीन दूसरा सबसे बड़ा बाजार हुआ करता था लेकिन 2019 से पश्चिमी देशों द्वारा हुवावे पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद, नोकिया और एरिक्सन के लिए चीनी टेलिकॉम ऑपरेटर्स की ओर से कॉन्ट्रैक्ट्स में कमी आ गई। 2019 में नोकिया की शुद्ध बिक्री का 27 फीसदी हिस्सा ग्रेटर चीन से आया था लेकिन हाल की तिमाही में यह योगदान 6 फीसदी से भी कम रह गया है।

चेक कंपनी का अधिग्रहण कर सकता है जिंदल समूह

नई दिल्ली । अपनी वैश्विक उपस्थिति मजबूत करने घरेलू जिंदल समूह चेक कंपनी विटकोवाइस की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए बातचीत कर रहा है। सूत्रों ने कहा कि समूह अपनी इकाई जिंदल स्टील इंटरनेशनल के जरिये इस वित्त वर्ष के अंत तक यह अधिग्रहण पूरा कर सकता है। यह यूरोप में जिंदल समूह का पहला अधिग्रहण होगा।

नवीन जिंदल के स्वामित्व वाले कारोबारी घराने की पहले से ही ऑस्ट्रेलिया, मोजाम्बिक और ओमान जैसे देशों में इस्पात, बिजली और खनन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपस्थिति है। उद्योग सूत्रों ने कहा कि दोनों पक्षों का प्रबंधन इस सौदे के लिए सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। सौदे के हिस्से के रूप में जिंदल समूह विटकोवाइस स्टील में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करेगा।

सूत्रों के अनुसार सौदे का आकार लगभग 15 करोड़ यूरो यानी लगभग 1,000 करोड़ रुपये हो सकता है। विटकोवाइस स्टील के अधिग्रहण से जिंदल समूह को यूरोपीय बाजार में पैठ जमाने में मदद मिलेगी। समूह ओमान में अपनी इकाई वल्कन ग्रीन स्टील (वीजीएस) के माध्यम से हाइड्रोजन आधारित स्टील विनिर्माण इकाई भी स्थापित कर रहा है।

स्वास्थ्य बीमा से जीएसटी हटाएगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार टर्म जीवन बीमा पॉलिसियों और वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में जीएसटी छूट दे सकती है। राज्य मंत्रिस्तरीय पैनल के अधिकांश सदस्यों ने आम लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए करों में कटौती का समर्थन किया है। जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी दर पर निर्णय लेने के लिए मंत्री समूह की हाल ही में बैठक हुई। जिसमें जीवन बीमा तथा वरिष्ठ नागरिकों द्वारा स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किए जाने वाले प्रीमियम को कर मुक्त किया जा सकता है। इसके अलावा अन्य व्यक्तियों के लिए पांच लाख रुपये तक के कवरेज वाले स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर जीएसटी से छूट देने का निर्णय लिया गया। हालांकि इस संबंध में अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा। फिलहाल पांच लाख रुपये से अधिक के स्वास्थ्य बीमा कवरेज के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी लगता रहेगा। इस समय टर्म पॉलिसी और फैमिली फ्लोटर पॉलिसी के लिए भुगतान किए गए जीवन बीमा प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी लग रही है। बैठक में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि जीओएम के सदस्य बीमा प्रीमियम पर दरों में कटौती के लिए व्यापक रूप से सहमत हैं। अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा। जीएसटी परिषद ने पिछले महीने अपनी बैठक में स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर कर के बारे में निर्णय लेने के लिए 13 सदस्यीय मंत्री समूह गठित करने का निर्णय लिया था। सम्राट चौधरी मंत्री समूह के संयोजक हैं। इसमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, गोवा, गुजरात, मेघालय, पंजाब, तमिलनाडु और तेलंगाना के मंत्री शामिल हैं।

बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट रही

नई दिल्ली । बीते सप्ताह खरीफ तिलहन फसलों की आवक बढ़ने के दौरान देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में सभी तेल-तिलहनों के भाव में गिरावट देखने को मिली। इस दौरान सरसों, सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के भाव नुकसान के साथ बंद हुए।

बाजार सूत्रों ने कहा कि खाद्य तेल-तिलहन कारोबार के समीक्षकों की यह आशंका निर्मूल साबित हुई है कि आयात शुल्क बढ़ाने के बाद खाद्य तेलों की महंगाई बढ़ जायेगी। इसके विपरीत आयात शुल्क बढ़ाये जाने के बाद मूंगफली जैसे महंगे खाद्य तेल के थोक दाम भी गुजरात और राजस्थान में टूटे हैं। गुजरात में शुल्क वृद्धि से पहले मूंगफली तेल का थोक भाव 148 रुपये लीटर बैठता था जो शुल्क वृद्धि के बाद घटकर 135 रुपये लीटर रह गया है।

इसी प्रकार राजस्थान में जिस मूंगफली तेल का थोक दाम पहले 130 रुपये लीटर था वह अब घटकर 118 रुपये लीटर रह गया है। आवक बढ़ने और महंगा होने के कारण लिवाली कमजोर होने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट रही। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 250 रुपये की गिरावट के साथ 6,400-6,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों दादरी तेल का थोक भाव 875 रुपये की जोरदार गिरावट के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 65-65 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,115-2,215 रुपये और 2,115-2,230 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,650-4,695 रुपये और 4,350-4,585 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 250 रुपये, 150 रुपये और 100 रुपये घटकर क्रमशः 13,100 रुपये, 12,650 रुपये और 9,600 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। आवक बढ़ने के बीच महंगे मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले हानि का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 75 रुपये की हानि के साथ 6,300-6,575 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये की गिरावट के साथ 14,800 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 35 रुपये की गिरावट के साथ 2,250-2,550 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 200 रुपये की गिरावट के साथ 11,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 13,325 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 300 रुपये की हानि के साथ 12,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 650 रुपये की जोरदार गिरावट के साथ 12,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

रोहित शर्मा ने आईपीएल 2025 के लिए फैन के सवाल का मजेदार जवाब दिया

नई दिल्ली ।

इस समय भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में व्यस्त हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर उनका नाम आईपीएल 2025 से जुड़ी खबरों में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस बीच रोहित का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और फैंस इसका जमकर आनंद ले रहे हैं।

जब से यह खबरें आई थीं कि रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के बजाय किसी और टीम के लिए आईपीएल खेल सकते हैं। इस बीच, ड्रेसिंग रूम में एक फैन ने रोहित से सवाल किया कि वह अगले आईपीएल में किस टीम के लिए खेलेंगे। इसका जवाब रोहित शर्मा ने बड़े ही मजाकिया अंदाज में दिया। जबाव देते हुए रोहित ने मजाकिया अंदाज में कहा, तू बता दे, किससे खेलूं फैन ने तुरंत जवाब दिया, भाई आरसीबी में आ जाओ यार! इसके बाद रोहित ने हंसते हुए कहा, तुझे कौन सी चाहिए बोल... इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और फैंस इसका जमकर आनंद ले रहे हैं।

मुंबई इंडियंस की कप्तानी को लेकर भी कुछ चर्चा है। आईपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटा कर हार्दिक पंड्या को टीम की कमान सौंपी थी, लेकिन हार्दिक पंड्या टीम के लिए अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। रोहित शर्मा ने भी बल्ले से कुछ खास योगदान नहीं दिया था। पिछले सत्र में, मुंबई इंडियंस की टीम आईपीएल के दूसरे चरण में छह मैचों में केवल 20 रन से अधिक की पारी नहीं खेल सकी थी।

रोहित शर्मा, जो कि मुंबई इंडियंस के कप्तान रहे हैं, ने आईपीएल में पांच बार चैंपियन बनने का कारनामा किया है। मुंबई इंडियंस की आईपीएल ट्रॉफी जीत की लिस्ट में 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 शामिल हैं।

रोहित ने अब तक आईपीएल में 158 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें से 87 मैचों में जीत हासिल की और 67 मैचों में हार का सामना करना पड़ा। उनका जीत प्रतिशत 55.06 प्रतिशत है। इस बातचीत ने एक बार फिर रोहित शर्मा के फैंस को रोमांचित कर दिया है, और उनकी आईपीएल 2025 में खेलने को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

गगनजीत भुल्लर एशियाई टूर खिताब की ओर अग्रसर, तीसरे दौर में बोगी रहित 66 का कार्ड खेला

बैंकॉक। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने शनिवार को ब्लैक माउंटेन चैम्पियनशिप के तीसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए बिना बोगी किए 66 का कार्ड खेला। इस बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भुल्लर अपने 12वें एशियाई टूर खिताब की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने पहले दो दौर में क्रमशः 65 और 66 के स्कोर बनाए थे, जिससे उनका कुल स्कोर 19 अंडर है। भुल्लर इस समय अमेरिका के जॉन कैटलिन (65) से दो शॉट की बढ़त बनाए हुए हैं। भुल्लर का अब तक का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है, जिसमें उन्होंने तीन दौर में कुल 21 बर्डी लगाई हैं और केवल दो बोगी की हैं। इस लय को बरकरार रखते हुए वह खिताब जीतने की प्रबल दावेदारी कर रहे हैं। अन्य भारतीय गोल्फरों में खालिन जोशी ने तीसरे दौर में 73 का कार्ड खेला और नौ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 39वें स्थान पर हैं। वहीं, करणदीप कोचर भी 73 का कार्ड खेलकर संयुक्त रूप से 65वें स्थान पर बने हुए हैं। भुल्लर की शानदार बढ़त ने उन्हें खिताब जीतने की मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया है, और अंतिम दौर में वह अपने प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए इस खिताब पर कब्जा जमाने का प्रयास करेंगे।

रचिन की नेटवर्थ 2 मिलियन डॉलर के आस पास, रचिन रवींद्र ने की शानदार बैटिंग, लगाया शतक

नई दिल्ली । टीम इंडिया के खिलाफ पहली पारी में न्यूजीलैंड के लिए शानदार बैटिंग करते हुए खिलाडी रचिन रवींद्र ने शानदार शतक लगाया। टीम इंडिया फिलहाल न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही है। रचिन रवींद्र ने 157 गेंदों में 134 रन की पारी खेली और अंत तक खड़े रहे। अपनी पारी में उन्होंने 14 चौके और 4 छक्के मारे। रचिन का कनेक्शन भारत से रहा है। उनके माता पिता भारत से ही थे। बाद में वह न्यूजीलैंड में जाकर बस गए। रचिन ने 5 साल की उम्र में ही क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। वह क्लब क्रिकेट खेलने के लिए बैंगलोर भी आया करते थे। वर्ल्डस कप के उद्घाटन मैच में ही उन्होंने इंग्लैंडड के खिलाफ शतक जड़ दिया था। इसके बाद यह बात सामने आई थी कि भारतीय टीम के दिग्गएज प्लेयर राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर के शुरुआती नाम को जोड़कर रचिन का नाम रखा गया है। हालांकि, ऐसा कुछ नहीं था। रचिन नाम रचिन की मां ने सुझाया था इस बात का खुलासा उनके पिता ने किया था। न्यूजीलैंड के युवा बैटर रचिन रवींद्र जिन्होंने वर्ल्ड कप 2023 के बाद से क्रिकेट में अपनी गहरी पहचान बनाई है। रचिन रवींद्र ने 2023 में ही डेब्यू किया और ईश सोढ़ी के चोटिल होने पर वर्ल्ड कप स्क्वॉड के लिए पहले ऑप्शन बने थे। उन्होंने वर्ल्ड कप में 10 मैच में 578 रन ठोके, जिसमें दो फिफ्टी और 3 शतक शामिल थे। वह शतक बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर थे।

रुतुराज गायकवाड़ कर सकते हैं भारत ए की कप्तानी

नई दिल्ली। महीने के अंत में शुरू होने वाले दो चार दिवसीय प्रथम श्रेणी मैचों में रुतुराज गायकवाड़

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की कप्तानी कर सकते हैं। सभी की निगाहें भारत ए के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर होंगी जिसमें गायकवाड़ के साथ अभिमन्यु ईश्वरन और साई सुदर्शन शामिल हो सकते है।बात दें कि कप्तान रोहित शर्मा अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने वाली बहुप्रतीक्षित बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले दो टेस्ट मैचों में से एक में नहीं खेल पाएंगे, जिसके बाद भारत एक रिजर्व ओपनर की तलाश है। ईश्वरन दोनों मैचों के दौरान चर्चा का विषय रहने वाले है। उन्होंने अपनी शानदार फॉर्म के दम पर शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने दलीप ट्रॉफी में दो शतक लगाए और इसके बाद ईरानी कप में एक और शतक लगाया। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैचों को खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता साबित करने और पांच टेस्ट के लिए भारत की टीम में जगह बनाने का ऑडिशन माना जा सकता है। देवदत्त पडिक्कल, बाबा इंद्रजीत और रिकी भुई भारत ए टीम में मध्यक्रम की मजबूत बल्लेबाजी कर सकते हैं।

न्यूजीलैंड ने भारत में 36 साल बाद जीता टेस्ट मैच, बेंगलुरु टेस्ट में भारतीय टीम को 8 विकेट से हराया

बेंगलुरु ।

न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम को 8 विकेट से हरा दिया। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मैच में पांचवें अर्थात आखिरी दिन मेहमान टीम को जीत के लिए 107 रन बनाने थे, जिसे उसने 27.4 ओवर में 2 विकेट पर 110 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ कीवी टीम ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का अगला मुकाबला 24 अक्टूबर से पुणे में खेला जाएगा।

मैच की पहली पारी में भारतीय टीम मात्र 46 रन पर ही ऑलआउट हो गई थी। जवाब में न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 402 रन बनाए और 356 रन की बढ़त ली। इसके बाद दूसरी पारी में भारतीय टीम ने जबरदस्त वापसी की और 462 रन बनाए। इससे भारतीय टीम को 106 रन की बढ़त मिली। इस तरह न्यूजीलैंड को जीत के लिए 107 रनों का लक्ष्य मिला। आखिरी दिन रविवार को लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी टीम को शुरुआत में काफी परेशानी हुई। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने अपनी गेंदबाजी से कीवी बल्लेबाजों को खूब परेशान किया। बुमराह ने अपनी दूसरी गेंद पर ही न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम को एलबीडब्ल्यू कर पवेलियन भेज दिया। लैथम खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद 35 के स्कोर पर बुमराह ने डेवोन कॉन्वे को एलबीडब्ल्यू कर मेहमान टीम को दूसरा झटका दिया। कॉन्वे ने 17 रन बनाए। हालांकि इसके बाद विल यंग और रचिन रवींद्र ने टीम का कोई और विकेट नहीं गिरने दिया और अपनी टीम को जीत दिला दी। विल यंग 48 रन और रचिन रविंद्र 39 रन बनाकर नाबाद रहे।

36 साल बाद भारत में जीता टेस्ट मैच – भारतीय टीम के खिलाफ भारतीय सरजमीं पर न्यूजीलैंड ने 36 साल बाद कोई टेस्ट मैच जीता है। ओवर ऑल भारत की धरती पर यह तीसरा टेस्ट मैच जीता है। इससे पहले आखिरी बार 1988 में वानखेड़े में न्यूजीलैंड ने भारत को 136 रन से हराया था। वहीं 1969 में न्यूजीलैंड ने नागपुर में भारतीय टीम को 167 रन से हराया था। इतना ही नहीं वर्ष 2000 के बाद यह पहला मौका है जब किसी मेहमान टीम ने भारत में चौथी पारी में 100+ रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया है।

भारतीय टीम की पहली पारी – मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम पहली पारी में केवल 46 रनों पर सिमट गई थी। भारत की तरफ से ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 20 रन बनाए थे, जबकि पांच बल्लेबाजों ने खाता भी नहीं खोला और तीन बल्लेबाज तीन रनों का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। ऋषभ पंत के अलावा यशस्वी जयसवाल (13) ही दहाई का आंकड़ा छू सके, जबकि विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, रवींद्र जडेजा और रविंचंद्रन अश्विन खाता भी नहीं खोल सके थे। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने 5 विकेट झटके, जबकि विलियम ओरूर्के ने 4 विकेट लिए, वहीं टिम साउथी को 1 विकेट मिला।

न्यूजीलैंड टीम की पहली पारी – न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 402 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड के लिए रचिन रविंद्र ने 134 रनों की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने 157 गेंदों का सामना किया और 13 चौके व 4 छक्के लगाए। उन्होंने टिम साउथी के साथ मिलकर आठवें विकेट के लिए 137 रनों की साझेदारी भी की, जिसमें साउथी की 65 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी भी शामिल थी। साउथी ने 73 गेंदों का सामना किया और 5 चौके और 4 छक्का लगाया। इन दोनों के अलावा डेवोन कॉन्वे ने 91 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। भारत की तरफ से कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने 3-3, मोहम्मद सिराज ने 2, रविचंद्रन अश्विन और जसप्रीत बुमराह ने 1-1 विकेट लिया।

भारतीय टीम ने दूसरी पारी में बनाए 462 रन – भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 462 रन बनाए। दूसरी पारी में कप्तान रोहित शर्मा और युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 72 रन जोड़े। यशस्वी 52 गेंदों पर 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान रोहित ने टेस्ट करियर का 18वां अर्धशतक जड़ा। रोहित अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन वह अजीब तरीके से आउट हो गए। दरअसल, रोहित ने गेंद को अच्छे से डिफेंड कर लिया था, लेकिन गेंद पीछे की ओर गई और स्टम्प्स में जा लगी। इस तरह रोहित आउट हो गए। रोहित ने 63 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाए। दो विकेट गिरने के बाद विराट कोहली और सरफराज खान ने पारी को आगे बढ़ाया। इस दौरान सरफराज ने अपने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक लगाया। फिर इसके बाद कोहली ने भी पचासा जड़ दिया। इस दौरान कोहली टेस्ट में नौ हजार रन पूरे करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज भी बन गए। कोहली और सरफराज दोनों 100 रन से अधिक साझेदारी कर भारतीय टीम को मुश्किल से निकाल रहे थे, लेकिन तीसरे दिन के खेल की अंतिम गेंद पर कोहली ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर विकेटकीपर के हाथों कैच आउट हो गए।

सरफराज और ऋषभ पंत ने खेली बेहतरीन पारी – इसके बाद सरफराज खान और ऋषभ पंत ने शुरुआत में संभलकर खेला, लेकिन इसके बाद अपने हाथ खोलने शुरू किये। सरफराज ने 110 गेंदों पर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया। पंत ने भी 55 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत ने 71 ओवर में 3 विकेट पर 344 रन बना लिए थे, तभी बारिश शुरू हो गई और अंपायरों ने लंच की घोषणा कर दी। मैच दोबारा जब शुरू हुआ तो पंत और सरफराज ने उसी अंदाज से आगे भी बल्लेबाजी की। दोनों की शानदार साझेदारी से भारतीय टीम का स्कोर दूसरी पारी में 400 रन के पार पहुंच गया। इसके बाद सरफराज ने अपने 150 रन भी पूरे किए। हालांकि इसके ठीक बाद वह आउट हो गए। सरफराज ने 195 गेंद का सामना करते हुए 18 चौके और 3 छक्कों की मदद से बेहतरीन 150 रन बनाए। सरफराज के आउट होने के कुछ ही देर बाद ऋषभ पंत भी आउट हो गए। पंत नर्वस 90 का शिकार हो गए।

शतक जड़कर श्रेयस अय्यर ने दिखाई दम, टीम में वापसी की जताई इच्छा

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया से बाहर चल रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने लंबे समय बाद रणजी ट्रॉफी के मैच में शानदार शतक बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की अपनी प्रबल इच्छा जताई है। महाराष्ट्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच में अय्यर ने शानदार शतक जड़ा, जो उनके लिए एक भावनात्मक पल था। पीठ की सर्जरी के बाद श्रेयस ने अपनी फिटनेस पर काफी मेहनत की है और टेस्ट क्रिकेट में एक बार फिर से जगह बनाने के लिए तैयार हैं। श्रेयस अय्यर को पिछले कुछ समय पहले बार-बार पीठ की चोट का सामना करना पड़ा, जिसके कारण उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इसके चलते वह कई महीनों तक क्रिकेट से दूर रहे। उन्होंने अपने करियर का आखिरी टेस्ट शतक नवंबर 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में जड़ा था, और अब लगभग तीन साल बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शतक बनाया है। अय्यर ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, बहुत लंबे समय बाद वापसी करना मेरे लिए खास है। चोटों के कारण मैं थोड़ा निराश महसूस कर रहा था, लेकिन अब शतक बनाना बेहद संतोषजनक है। अय्यर ने अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा कि वह भारतीय टेस्ट टीम में वापसी के लिए बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं वापसी के लिए पूरी तरह से उत्सुक हूं, लेकिन मुझे केवल उन्हीं चीजों पर ध्यान देना है जो मेरे नियंत्रण में हैं। मेरा काम है निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना और जितना हो सके उतना क्रिकेट खेलना। इसके साथ ही शरीर की फिटनेस बनाए रखना भी बेहद जरूरी है। अय्यर का मानना है कि केवल निरंतर अच्छा प्रदर्शन ही उन्हें फिर से भारतीय टेस्ट टीम में जगह दिला सकता है। श्रेयस अय्यर ने फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में आखिरी बार भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था।

फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जेवियर

एडिलेड ।

ऑस्ट्रेलिया के 25 वर्षीय उभरते तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट पूरी तरह से फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान बार्टलेट को साइड स्ट्रेन की समस्या हुई थी, जब वह इंग्लैंड की धरती पर अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे थे। उन्होंने मात्र के 3.4 ओवर ही गेंदबाजी किया था।

चोट के कारण वह टी20 सीरीज के बाकी मैच और उसके बाद पांच मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए। बार्टलेट के लिए यह निराशाजनक क्षण था, जिन्होंने फरवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में लगातार 4 विकेट चटकाए थे। चोट और उसके ठीक होने के बारे में बताते हुए बार्टलेट ने कहा, मुझे उस साइड स्ट्रेन से उबरने में लगभग 5 सप्ताह हो गए हैं। मैं अब पूरी तरह से तैयार हूं, इसलिए यह वास्तव में आकार लेने लगा है। मैंने पहले कभी ऐसा नहीं किया है... यह वास्तव में निराशाजनक था। पाकिस्तान के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम में जगह बनाने से चूकने के बावजूद बार्टलेट को इसके बाद होने वाली टी20 श्रृंखला में वापसी की उम्मीद है। सिडनी, होबार्ट और ब्रिस्बेन में होने वाले मैचों के साथ बार्टलेट की नजरें 14 नवंबर को गाबा में होने वाले पहले टी20 पर टिकी हैं। एक ऐसा स्थान जहां उन्होंने ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलते हुए एक प्रभावशाली रिकॉर्ड बनाया है।

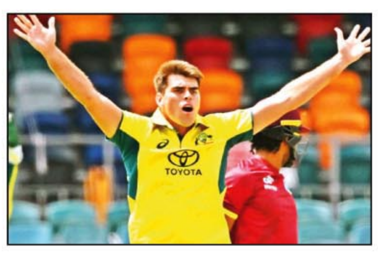

बार्टलेट ने कहा, यह कुछ ऐसा है जिसका आप बचपन में सपना देखते हैं, ऑस्ट्रेलिया के लिए अपने घरेलू मैदान पर खेलने की कोशिश करना। इसलिए अगर ऐसा अवसर आता है, तो यह एक बहुत अच्छा पल होगा। बार्टलेट ने गाबा में शानदार प्रदर्शन किया है, हीट के लिए सिर्फ 13 मैचों में 20 विकेट लिए हैं, औसतन हर 13 गेंदों पर एक विकेट। ऑस्ट्रेलिया के लिए अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलना उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा जिससे उन्हें अपनी रिकवरी के लिए प्रेरणा मिलेगी। राष्ट्रीय टीम में वापसी करने से पहले बार्टलेट को क्वींसलैंड के लिए आगामी शेफील्ड शील्ड और एक दिवसीय मैचों में खेलने की उम्मीद है ताकि वह मैच फिटनेस हासिल कर सकें। चुनौतियों के बावजूद बार्टलेट भविष्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी बढ़त जारी रखने के लिए दृढ़ हैं। उन्होंने कहा, मेरी एक नजर पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज़ पर है।

पीसीबी चाहता है भारत चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान में ही खेले, प्रस्ताव दिया

यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से 9 मार्च तक लाहौर, रावलपिंडी और करांची में होना है

नई दिल्ली।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए भारत को पाकिस्तान बुलाने के लिए हर कोशिश कर रहा है। पीसीबी ने इसके संबंध में बीसीसीआई के सामने एक प्रस्ताव रखा है। पीसीबी ने कहा है कि भारतीय टीम चाहे तो अपना मैच खेलकर उसी दिन वापस इंडिया लौट सकती है। इससे चलता है कि पीसीबी हर हाल में भारत को पाकिस्तान में खेलने के लिए बुलाना चाहता है, क्योंकि उसे भी पता है कि अगर भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आती है तो इससे उसे फायदा ही होगा।

पीसीबी ने बीसीसीआई को एक ऐसी व्यवस्था का प्रस्ताव दिया है जिसके अंतर्गत अगर भारत सुरक्षा कारणों चलते अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान में नहीं रुकना चाहता है तो वह अपने मैचों के बीच में नई दिल्ली या चंडीगढ़ में से कहीं भी मैच खेल कर वापस लौट सकता है। पीसीबी ने

बीसीसीआई को मौखिक सुझाव दिया है कि भारतीय टीम नई दिल्ली, चंडीगढ़ या मोहाली में शिविर लगा सकती है और अपने मैचों के लिए विशेष उड़ान का इस्तेमाल करके लाहौर जा सकती है। सूत्र ने कहा कि इन विकल्पों पर अधिकारियों के बीच मौखिक रूप से चर्चा हुई है। भारत का अपने मैच पाकिस्तान में खेलना तय हो सके। चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से 9 मार्च तक लाहौर, रावलपिंडी और करांची में खेली जाएगी। पीसीबी मानसिक रूप से इसके लिए तैयार है कि भारत चैंपियंस ट्रॉफी खेलने आने से इनकार कर सकता है लेकिन वह 9 मार्च को होने वाला फाइनल लाहौर से बाहर ले जाने के लिए तैयार नहीं है। भले ही भारत इसके लिए क्वालीफाई कर ले। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद बोर्ड के सदस्यों की दुबई में 18 से 21 अक्टूबर तक होने वाली बैठक में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल का मुद्दा भी उठ सकता है। पीसीबी चाहता है कि फाइनल लाहौर में ही हो। भारत फाइनल में पहुंचता भी है तो पीसीबी चाहेगा कि लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में मैच हो। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट 2008 के मुंबई हमले के बाद से बंद है।

भारत ए ने रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान ए को 7 रन से हराया

ओमान ।

अल अमीरात क्रिकेट ग्राउंड में एसीसी मेन्स टी20 इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 के तहत खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में भारत ए ने पाकिस्तान ए को 7 रन से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 183 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया, जिसमें अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरण सिंह और कप्तान तिलक वर्मा की बेहतरीन पारियों का अहम योगदान रहा। जवाब में पाकिस्तान ए की टीम 176 रन ही बना पाई और भारत ने मुकाबला 7 रनों से जीत लिया। इस जीत के साथ भारत ए ने टूर्नामेंट में अपनी मजबूत स्थिति कायम रखी।

भारत ए की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बेहतरीन शुरुआत की। ओपनर अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरण सिंह ने पहले विकेट के लिए 6 ओवरों में 68 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। अभिषेक ने 22 गेंदों पर 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से

35 रन बनाए, जबकि प्रभसिमरण ने 19 गेंदों पर 3 चौके और 3 छक्कों की मदद से 36 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। कप्तान तिलक वर्मा ने भी महत्वपूर्ण 44 रन जोड़े, जिसमें 2 चौके और 2 छक्के शामिल थे। नेहल वडेहरा (25 रन) और रमनदीप सिंह (17 रन) ने भी अंतिम ओवरों में तेजी से रन बटोरकर टीम का स्कोर 183 तक पहुंचाया। पाकिस्तान के लिए सुफियान मुकीम ने 28 रन देकर 2 विकेट हासिल किए।

183 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ए की शुरुआत खराब रही। कप्तान मोहम्मद हारिस ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा, लेकिन दूसरी ही गेंद पर अंशुल कंबोज ने उन्हें बोल्ड कर दिया। उमेर युसूफ भी जल्द ही 2 रन बनाकर आउट हो गए। यासिर खान ने 33 रन और कासिम अकरम ने 27 रनों की छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, लेकिन टीम एक समय 78 रनों पर 4 विकेट खो चुकी थी।

मध्यक्रम में अराफात मिन्हास ने 41 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिसमें उन्होंने 5 चौके और 1 छक्का लगाया। अब्दुल समद ने भी 25 रन बनाए, लेकिन रासिख सलाम की शानदार गेंदबाजी ने पाकिस्तान की पारी को दबाव में ला दिया। अंत में अब्बास अफरीदी ने 18 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन उनकी टीम 176 रनों पर सिमट गई और भारत ए ने यह मुकाबला 7 रनों से जीत लिया। भारत ए की इस जीत में बल्लेबाजों के साथ-साथ गेंदबाजों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। रासिख सलाम ने मैच के महत्वपूर्ण क्षणों में 2 विकेट लेकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया।

ब्रेड और कॉर्न खाने वाले हो जाएं सावधान

सुबह के नाश्ते में अधिकतर लोग ब्रेड, कार्न फ्लेक्स और कई तले-भुने पदार्थों का सेवन करते हैं लेकिन यही पदार्थ फेफड़ों के कैंसर का रोगी बना सकते हैं जिसका खुलासा एक नए शोध में हुआ है। व्हाइट ब्रेड, कार्न फ्लेक्स और तले-भुने चावल जैसे ग्लाइसेमिक इंडेक्स युक्त भोजन और पेय पदार्थ फेफड़ों के कैंसर के विकास को बढ़ा सकते हैं।

ग्लाइसेमिक सूचकांक और ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) एक संख्या है जो एक विशेष प्रकार के भोजन से संबंधित है। यह व्यक्ति के रक्त में ग्लूकोज के स्तर पर भोजन के प्रभाव को संकेत करता है। गोरी त्वचा, हल्के रंग के बालों और नीली, हरे, रंग की आंखों वाले लोगों में यह एससीसी विकसित होने का सबसे ज्यादा खतरा होता है। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में 1 हजार 905 रोगियों को शामिल किया था, जिन्हें हाल ही में फेफड़ों के कैंसर की शिकायत हुई थी। इसके साथ ही 2 हजार 413 स्वस्थ व्यक्तियों का भी सर्वेक्षण किया गया था। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपनी पिछली आहार की आदतों और स्वास्थ्य इतिहास की जानकारी दी।

शोध के दौरान प्रतिदिन जीआई युक्त भोजन करने वालों में जीआई भोजन न करने वालों की तुलना में फेफड़ों के कैंसर का 49 प्रतिशत जोखिम देखा गया। आश्चर्य तौर पर कार्बोहाइड्रेट की सीमा मापने वाले ग्लाइसेमिक लोड (जीएल) का फेफड़ों के कैंसर से कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं मिला। शोधार्थियों का कहना है कि तंबाकू और धूम्रपान का सेवन न करने वालों में भी फेफड़ों के कैंसर के लक्षण मिले हैं जिससे पता चलता है कि आहार के कारक भी फेफड़ों के कैंसर जोखिमों से संबंधत हो सकते हैं।

ज्यादा नारियल पानी से हो सकता है हार्ट अटैक

नारियल पानी पीने के यूं तो कई फायदे हैं। लेकिन गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए रोजाना दो गिलास से अधिक नारियल पानी लेना सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

पानी की कमी पूरी करने के लिए केवल नारियल पानी पर निर्भर रहना सही नहीं है। इसमें मौजूद पोटैशियम शरीर में जाकर इस तत्व को सामान्य से अधिक कर देता है। जिससे खासकर किडनी व हृदय से जुड़ी समस्याएं बढ़ जाती हैं। पोटैशियम शरीर के लिए जरूरी इलेक्ट्रोलाइट है। सामान्य रूप से व्यक्ति को रोजाना 4700 मिग्रा पोटैशियम की जरूरत होती है। 250 मिली. नारियल पानी में 600 मिग्रा. पोटैशियम होता है। यह शरीर की तंत्रिकाओं, मांसपेशियों और हृदय के सुचारू कार्य करने के लिए जरूरी है।

इन बातों का ध्यान रहे

कई बार हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और डायरिया के पेशेंट्स शरीर में इलेक्ट्रोलाइट और पानी की कमी को पूरा करने के लिए दिन में कई बार

नारियल पानी का सहारा लेते हैं। लेकिन दिनभर में दो गिलास (500 एमएल) से अधिक यह पानी नहीं पीना चाहिए। हार्ट फेल्योर के बढ़ते चांस किडनी शरीर में मौजूद जरूरत से ज्यादा पोटैशियम को बाहर निकालती है। लेकिन इसके मरीजों में इसकी अधिक मात्रा बाहर नहीं निकल पाती और किडनी फैल्योर की आशंका बढ़ जाती है।

इसके अलावा पोटैशियम की अधिकता से हृदय की मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं जिससे धड़कनें अनियमित हो जाती हैं जिससे हार्ट फेल्योर के चांस भी बढ़ते हैं। इतना है जरूरी शरीर में पानी की कमी को फल व सलाद से पूरी कर सकते हैं। ये विटामिन और मिनरल तत्व का अच्छा स्त्रोत होते हैं।

कच्चे पपीते की ड्रिंक दूर भगाए गठिया का दर्द

पैर की उंगलियों, घुटनों और एडी में गस के दर्द होता है तो समझिए कि खून में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ गई है। जब यूरिक एसिड क्रिस्टल के रूप में हमारे हाथ और पैरों के जोड़ों में जम जाता है तो उसे गाउट की बीमारी बोलते हैं। हांलाकि इस समस्या से बचने के लिए एक ड्रिंक जो कि कच्चे पपीते और पानी से तैयार की जाती है, जिसको दिनभर पीने से गाउट के दर्द में धीरे - धीरे आराम मिल जाता है।

वायु प्रदूषण से बच्चों को एलर्जी का खतरा

बढ़ता प्रदूषण हर दिन जीवन लिए खतरा बनता जा रहा है। एक शोध में बताया गया है जीवन के पहले एक साल तक बाह्य वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से भोजन, मिट्टी, पालतू जानवरों और कीटों से एलर्जी होने का खतरा ज्यादा होता है। शोध के परिणाम दर्शाते हैं कि शैशवावस्था के दौरान यातायात संबंधी वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से बच्चे एलर्जी के कारकों के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं।

ब्रोकली खाने से नहीं होगी ये बीमारी

एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि एक सप्ताह में तीन या चार बार ब्रॉकली खाने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग, अस्थमा और कई तरह के कैंसर के पनपने का खतरा कम हो सकता है। ऐसे जीन्स की पहचान की गई है, जो ब्रोकली में फीनोलिक यौगिकों के जमाव को नियंत्रित करते हैं। जिन लोगों के आहार में इन यौगिकों की एक तय मात्रा होगी, उन्हें इन बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम होगा।

कैसे रहेगी ताजगी बरकरार

अक्सर हम सब्जियां खरीद कर उन्हें फ्रिज और किचन की टोकरी में रख देते हैं। कुछ चीजों की जगह तो जैसे फिक्स-सी हो गई है। आलू, प्याज जैसी सब्जियों के लिए किचन की टोकरी, तो नींबू, टमाटर और दूसरी सब्जियां फ्रिज की टोकरी में रख दी जाती हैं। यह सोचे बिना कि कौन-सी सब्जी कहां स्टोर करनी चाहिए। लेकिन क्या आप जानते हैं, अगर सब्जियों को देखकर उन्हें सही जगह स्टोर किया जाए, तो वह लंबे समय ताज़ा बनी रहती हैं। आइए जानें ऐसी ही कुछ जरूरी बातें, जो आपकी सब्जियों को बनाए रखेंगी कई दिनों तक फ्रेश।

प्याज

अक्सर लोग प्याज लाने के बाद उसे पॉलीथीन में ही रख देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। ऑक्सीजन की कमी उसकी लाइफ को कम कर देती है। प्याज को अंधेरी, सूखी और ठंडी जगह पर रखा जाए, तो वह लंबे समय तक ठीक रहती हैं, लेकिन ज़्यादा ठंडी जगह पर नहीं रखना चाहिए। इन्हें अखबार में या फिर कागज के बैग में छोटे-छोटे छेद करके लपेट देना चाहिए। दूसरी बात जो ध्यान रखनी चाहिए, आलू और प्याज को कभी भी एक साथ स्टोर नहीं करना चाहिए क्योंकि आलू में से जो गैस निकलती है वह प्याज को खराब कर सकता है।

नींबू

अक्सर सभी घरों में नींबू काफी तेजी से इस्तेमाल और पसंद किए जाते हैं। अक्सर लोगों को सवाल होता है कि इन्हें लंबे समय तक जूसी और ताज़ा कैसे रखा जा सकता है? तो आपको बता दें कि नींबू को सिर्फ रेफ्रिजरेटर में ऐसे ही न रखें। इन्हें ज़िप लॉक में रखकर टाइट बंद कर दें। इन्हें काउंटर पर खुला छोड़ने से परहेज करें। ऐसा करने से नींबू का रस सूख जाता है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि नींबूओं की नमी बरकरार रखने के लिए इन्हें पानी में डालकर छोड़ दें।

केला

केलों को सड़ने से बचाने का सबसे आसान तरीका है, उसके क्राउन (केले का ऊपरी भाग, जहां उसकी जड़े मिलती हैं) को प्लास्टिक से लपेट कर रख दें। केले में से इथाइलीन नामक गैस निकलती है, जो कि फलों को पकाती है। इसकी जड़ को प्लास्टिक बैग से लपेटकर, उसमें पैदा होने वाली गैस को बचे हुए भाग तक पहुंचने से बचाया जा सकता है। इसकी ज़्यादातर गैस जड़ों के माध्यम से ही निकलती है। आप सही केलों को गुच्छे से अलग करके पके हुए केलों को अलग कर सकते हैं क्योंकि पके हुए केले ज़्यादा गैस रिलीज़ करते हैं। इसके अलावा, जड़ों को एक साथ अलग न करें, इससे भी केले जल्दी ब्राउन होते हैं।

टमाटर

टमाटर को स्टोर करने से पहले हमें इस बात को जान लेना चाहिए कि उन्हें ठंडी जगह पर रखना चाहिए या नहीं। हम में से बहुत से लोग सोचते हैं कि फलों और सब्जियों को खराब होने से बचाने के लिए सबसे अच्छा तरीका है उन्हें रेफ्रिजरेटर में रख देना, लेकिन यह फॉर्मुला हर बार काम नहीं करता। बिना पके टमाटरों को कमरे के तापमान पर ही रखा जाना चाहिए, ताकि वह ज़्यादा जूसी और टेस्टी बन जाएं। ज़्यादा तापमान में वह अपना फ्लेवर खो देते हैं। सिर्फ पूरे पके हुए टमाटरों को ही प्लास्टिक बैग में करके फ्रिज में रखा जा सकता है लेकिन ध्यान रखें कि उन्हें इस्तेमाल करने के आधे घंटे पहले ही उन्हें फ्रिज से निकाल कर कमरे के तापमान पर ले आएं।

आलू

लगभग हर घर की किचन में दिखने वाला आलू, काफी बहुमुखी होता है। लेकिन जब हम इन्हें अंकुरित देखते हैं, तो बहुत बुरा लगता है। इन्हें फ्रिज में रखने की जरूरत नहीं होती। बस, इन्हें जाली वाले बैग में रख दें। अगर आप इन्हें ठंडी जगह पर स्टोर कर देंगे, तो इनमें उपस्थित स्टार्च शुगर में बदलने लगता है, जिससे आपके खाने का स्वाद खराब हो जाता है। इन्हें रोशनी में बाहर निकाल कर ही रखें और आलूओं को कभी भी धोकर स्टोर न करें क्योंकि नमी से आलू खराब हो जाते हैं।

मसाले

जीरा, धनिया, गरम मसाला, हल्दी, काली मिर्च, दालचीनी- ये कुछ ऐसे मसाले हैं, जिन्हें किचन में रखने के बाद देखने की जरूरत पड़ती है। अक्सर, हम इन्हें महत्वपूर्ण नहीं समझते और किचन के कैबिनेट में रखकर भूल जाते हैं। उन मसालों को इस्तेमाल करने से बचें, जिनकी टेस्ट और खुशबू खत्म हो चुकी हो। रोशनी, हवा, गर्मी और नमी मसालों के दुश्मन हैं। आप इन्हें टिन के जार में स्टोर कर सकते हैं लेकिन ध्यान रखें कि डिब्बे टाइट बंद हो और उन्हें गैस से दूर रखें।

पनीर

पनीर अक्सर सभी लोगों का फेवरिट होता है इसे प्लास्टिक बैग में लपेट के इसके टेस्ट को खराब नहीं करना चाहिए। इसे स्टोर करते समय ध्यान रखना चाहिए कि यह आसानी से सांस ले सके और सूखे नहीं। इन्हें स्टोर करने का सबसे अच्छा तरीका है पार्च्मंट पेपर। यही नहीं, आप इन्हें सुरक्षित रखने के लिए टेप का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसे न ज़्यादा टाइट बंद करना है और न ही ज़्यादा ढीला। प्लास्टिक के अलावा, आप इसे एल्यूमीनियम फॉइल पेपर में लपेट सकते हैं। लंबे समय तक ताज़गी बनाए रखने के लिए जब भी आप इसे खोलें, तो कोशिश करें फिर से नए फॉइल में ही लपेटें। इसके साथ ही, अगर आप फ्रिज में पनीर रख रहे हैं, तो ध्यान रहे कि पनीर फ्रिज के नीचे वाले भाग में ही रखें। साथ ही, पनीर को फ्रिजर में रखने से उसकी नरमी खत्म हो जाती है। पनीर के कटे हुए किनारों को टूटने से बचाने के लिए उसके किनारों पर जैतून का तेल और कनोला तेल लगाया जा सकता है।

साइड इफेक्ट से बचाता है आड़ू

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आड़ू पेट और लिवर को भी दुरुस्त रखता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन विटामिन-ए का निर्माण करता है जो रेटिना को स्वस्थ रखने के साथ आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है। शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालकर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आड़ू पेट और लिवर को भी दुरुस्त रखता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन विटामिन-ए का निर्माण करता है जो रेटिना को स्वस्थ रखने के साथ आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो ब्रेस्ट कैंसर की आशंका को कम करने के साथ कीमोथैरेपी के साइड इफेक्ट से भी बचाता है। एनीमिया के रोगियों के लिए यह फायदेमंद है।

न्यूट्रीशन इंडेक्स

175 ग्राम आड़ू लगभग 68 कैलोरी ऊर्जा प्रदान करता है। इसमें 10 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और 6 फीसदी फाइबर होता है। साथ ही इसमें 11 फीसदी विटामिन-ए और 19 फीसदी विटामिन-सी होता है। आड़ू में बहुत कम फैट (1 प्रतिशत) होता है इसलिए डाइटिंग करने वालों के लिए यह अच्छा होता है। इसमें कैल्शियम, पोटैशियम व आयरन तत्व होते हैं।

कितनी मात्रा जरूरी

प्रतिदिन 2-3 आड़ू खाए जा सकते हैं।

ध्यान रखें...

इसे दूसरे फलों के साथ मिलाकर न खाएं। भोजन के तुरंत बाद खाने की बजाए इसे आधे घंटे बाद खाएं।

इनके लिए मनाही

जिन्हें एलर्जी और शरीर में सूजन की समस्या हो वे इसे खाने से पहले डॉक्टरी सलाह लें।

किचन में शामिल करें ये जड़ी-बूटी

जब भी हम खाना खाने टेबल पर बैठते हैं, तो खाने का स्वाद ही हमारी भूख को संतुष्ट कर पाता है। सिर्फ इसी वजह से कुछ मास्टर्स अपनी डिश बनाने और उसे एक नया स्वाद देने के लिए मसालों से लेकर जड़ी-बूटी और कई चीजों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आयुर्वेदिक कुकिंग में स्वाद बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि खाने को सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बने, बल्कि उसमें सभी सामग्री को एक साथ डालकर, किस प्रकार स्वास्थ्य को फायदा पहुंचाया जाए। हर

सामग्री का अपना एक अलग गुण होता है, जिसके इस्तेमाल से आप शरीर को लाभ पहुंचा सकते हैं।

जड़ी-बूटी, एक तरह से स्वाद को निखारने और मजेदार बनाने के लिए इस्तेमाल में लाई जाती हैं। अगर यह जड़ी-बूटी किचन में देखने को मिले, तो शायद ही कोई कुक ऐसा होगा जो, मामूली डिश को ज़ायकेदार बनाने से चूकेगा। यह ऐसी जड़ी-बूटी हैं, जो खाने में जान डाल देने वाली हैं। आप इन्हें कई तरह से अपने खाने में शामिल कर सकते हैं। जैसे स्प्रिग (टहनी) को काटकर आप एक सामग्री की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं या पास्ता में डाल सकते हैं। इसके अलावा आप इससे करी और मिश्रण भी तैयार कर सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कुछ आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी, जिनके इस्तेमाल से आप अपने खाने को एक नया स्वाद देने के साथ शरीर को स्वास्थ्य संबंधित कई फायदे दे सकते हैं। आइए बताते हैं इन्हें आप किस तरह अपने किचन में प्रयोग में ला सकते हैं।

कढ़ी पत्ता

साउथ इंडियन क्यूज़ीन की शान कढ़ी पत्ता सबसे ज़्यादा तीखे मीट, फ्राइड खाना समेत सांभर, रसम, उपमा, डोसा के भरावन मिश्रण और चटनी बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। कई लोग तो इसे दाल में तड़का लगाने में भी शामिल करते हैं। इसका तीखा स्वाद, भारतीय मसालों के अलावा काली मिर्च के साथ बहुत बढ़िया होता है। खाना बनाते समय तेल में तड़का लगाने के लिए इसकी महक ही काफी होती है।

तेजपत्ता

इस खुशबूदार पत्ते में कई आरोग्य गुण होते हैं। रसोई में यह दाल, करी, बिरयानी, राजमा और छोले के स्वाद को बढ़ाने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। यह सूखा होता है। डिश में इसका हल्का स्वाद देने के लिए आप एक घंटे के लिए खाने को हल्की आंच पर रखकर छोड़ सकते हैं। यह खाया नहीं जाता, इसलिए डिश के बन जाने के बाद इसे निकालकर फेंक दिया जाता है। मार्किट में इसकी ताज़ा पत्तियां भी उपलब्ध हैं। ऐसा कहा जाता है कि रात में ताजे तेजपत्ता को पानी में भिगोकर रखने और सुबह उसी पानी का सेवन करने से बल्ड शुगर लेवल पर नियंत्रण रखा जा सकता है।

पुदीना

पुदीना या मिंट अक्सर सभी के रसोईघर में मौजूद होता है। यह सिर्फ एक मेडिकल गुण रखने वाला ही नहीं, बल्कि डिश को अच्छा स्वाद देने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। भारतीय घरों में पुदीना चटनी, ज्यादातर सभी तरह के खाने के साथ परोसी जाती है। कई बार मिंट का ताज़ा स्वाद गर्मियों में जूस और ड्रिंक्स में भी शामिल किया जाता है। पुदीना, पाचन क्रिया को सही कर, खांसी, ज़ुखाम, शरीर के दर्द और थकान को ठीक करने में मदद करता है।

होली बासिल (तुलसी)

स्टिर फ्राई खाने को हल्का तीखा स्वाद देने के लिए आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

रेसिपी

चोको चिप केक

सामग्री

वनीला एसन्स 1 टेबल स्पून, दूध 2/3 कप, चीनी 1 कप, मैदा 1 + 1/4 कप, अंडे 3, बेकिंग सोडा 1 + 1/4 टेबल स्पून, मक्खन 150 ग्राम, चोको चिप 1 कप।

विधि

चीनी और मक्खन को किसी बड़े बाउल में निकालकर अच्छी तरह से तब तक फेंटे जब तक मक्खन चीनी के साथ अच्छे से मिल नहीं जाता (फेंटने के लिए आप मिक्सर का उपयोग कर सकते है)। अंडों को फोड़कर मिक्सर में 1 मिनट तक फेंटना है। अंडे दुगने लगने लगेंगे। एक छलनी मे मैदा और बेकिंग सोडा डाल कर छान लीजिये, ताकि इसमें हवा भर जाए। अंडों को चीनी वाले घोल के साथ अच्छे से फेट लीजिए। इसके बाद वनीला एसेंस चीनी वाले घोल में डाल दे। उसके बाद दूध डाल दीजिये और अच्छी तरह फेट लीजिए। इसमें मैदा डाल कर अच्छी तरह से फिर से फेट लीजिए। केक को बर्तन में डालने से पहले उस बर्तन में चारों तरफ तेल या घी लगा ले, उपर से एक छोटी चम्मच मैदा चारो तरफ डाल दीजिये। फिर मैदा के घोल को केक बनाने वाले बर्तन मे डाल दीजिए और उपर से चोको चिप डाल दीजिए। ध्यान रहे इसे चम्मच से दबाना नहीं है बर्तन को हिला-हिला कर केक के पेस्ट को एक समान कर लीजिए। माइक्रोवेव में 20 मिनट टाइम सेट कर दीजिए या ओवन मे 180 डिग्री पर प्री हीट कर लीजिए और 20 से 25 मिनट पर पकने दीजिए। केक मे चाकू डाल कर देख लीजिए केक चाकू से चिपक तो नहीं रहा। केक बनकर तैयार है।

बसंती हलवा

सामग्री

2 कप कसा हुआ कद्दू, 1 कप दूध, 200 ग्राम खोया, 1/2 कप चीनी, 1/2 कप मेवा (बादाम, किशमिश, काजू), 1/2 टी स्पून इलायची पाउडर, 1 चुटकी केसर, 1 टे.स्पून देसी घी।

सजाने के लिए: चांदी का वर्क, 1/2 कप सूखा नारियल (कसा हुआ)।

विधि

कद्दू को छीलकर धो लें और कद्दूकस करके पानी डालकर उबाल लें। ठंडा होने पर हाथों से निचोड़कर सारा पानी निकाल दें। कड़ाही में घी डालकर उसमें कद्दू डालकर धीमी आंच पर भून लें। दूध में खोया और केसर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और कड़ाही में डाल दें। जब दूध हलवे में अच्छी तरह मिल जाए, तब उसमें चीनी, इलायची पाउडर और मेवे डालकर 15 मिनट तक चलाये, गर्मागर्म बसंती हलवा चांदी के वर्क और सूखे नारियल से सजाकर सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**